मध्य प्रदेश स्थापना दिवस
1 नवम्बर
मध्य प्रदेश – संस्कृति, संकल्प और समृद्धि की भूमि

देश दर्पण संवाद

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक — हम खबर नहीं, आईना दिखाते हैं

अपने लेख या सुझाव भेजने के लिए इस QR कोड को स्कैन करें

इंदौर, मध्य प्रदेश सोमवार 02 नवंबर, 2026, कार्तिक कृष्ण पक्ष, विक्रम संवत 2083, वर्ष - 1, अंक - 08, पृष्ठ - 8 , मूल्य - रु 2

खरारखरा

18 कैरेट : ₹1,04,270
22 कैरेट : ₹1,27,440
24 कैरेट : ₹1,39,020

सकारात्मक सोमवारसर:

प्रिय पाठकों,
सप्रेम नमस्कार! शुभ सोमवार! आज 'देश दर्पण संवाद' का यह आठवां अंक आपके हाथों में सौंपते हुए हमें अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है। आपके निरंतर प्रेम, स्नेह व विश्वास ने हमारे संकल्प को और अधिक मजबूत किया है, जिसके लिए हम हृदय से आभारी हैं। त्योहारों की जगमगाहट और उल्लास के बीच, यह नया सप्ताह हमारे लिए नई ऊर्जा और नए अवसरों का प्रतीक है।

जीवन एक निरंतर यात्रा है, और हर दिन हमें कुछ नया सीखने तथा पहले से बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है। आइए, इस सकारात्मक ऊर्जा को हम अपने व्यक्तिगत विकास और समाज की भलाई में लगाएं।

चंद्रयान-3 की सफलता का डंका: नासा ने मांगी तकनीक, इसरो चीफ बोले- हमारी डिजाइन देख अमेरिकी वैज्ञानिक रह गए निशब्द



रामेश्वरम/मदुरै | देश दर्पण संवाद

चांद के दक्षिणी ध्रुव (साउथ पोल) पर चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग कराकर इतिहास रचने वाले भारत की अंतरिक्ष शक्ति का लोहा अब अमेरिका भी मान रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस. सोमनाथ ने खुलासा किया है कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा (NASA) के वैज्ञानिकों ने भारत से चंद्रयान-3 की टेक्नोलॉजी मांगी है।

'नो कमेंट्स, सब कुछ अच्छा होने वाला है'

रविवार, 15 अक्टूबर को रामेश्वरम में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम फाउंडेशन के एक कार्यक्रम में इसरो चीफ ने यह बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि चंद्रयान-3 के निर्माण के दौरान दुनिया के कई कठिन मिशन कर चुके नासा-जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी (JPL) के 5-6 वैज्ञानिक इसरो मुख्यालय आए थे।

जब भारतीय इंजीनियरों ने उन्हें समझाया कि 23 अगस्त को सॉफ्ट लैंडिंग कैसे होगी और अपनी डिजाइन दिखाई, तो वे हैरान रह गए और बोले- "नो कमेंट्स.. सब कुछ अच्छा ही होने वाला है।"

चंद्रयान-10 से चांद पर जा सकती है महिला एस्ट्रोनॉट

देश के ज्ञान और इंटेलिजेंस को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बताते हुए सोमनाथ ने भविष्य के मिशनों की ओर भी इशारा किया।

उन्होंने छात्रों से कहा कि आने वाले समय में 'चंद्रयान-10' के जरिए भारत किसी महिला एस्ट्रोनॉट को भी चांद पर भेज सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्पेस सेक्टर को खोले जाने की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि आज हम दुनिया के बेस्ट इक्विपमेंट और रॉकेट बना रहे हैं और अब देश में इसरो के अलावा 5 निजी कंपनियां भी रॉकेट व सैटेलाइट बना रही हैं।

गगनयान मिशन: 21 अक्टूबर को पहली उड़ान, कुल 4 टेस्ट होंगे

मदुरै में मीडिया से बातचीत में एस. सोमनाथ ने 'गगनयान' मिशन की तैयारियों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 21 अक्टूबर को गगनयान मिशन की पहली टेस्ट व्हीकल डेवलपमेंट फ्लाइट भेजी जाएगी। इसके बाद D2, D3 और D4 की प्लानिंग की गई है, यानी कुल चार टेस्ट फ्लाइट भेजी जाएंगी। इस टेस्ट में क्रू मॉड्यूल को आउटर स्पेस में ले जाकर पृथ्वी पर वापस लाया जाएगा और बंगाल की खाड़ी में टचडाउन कराकर सुरक्षित रिकवर किया जाएगा।

(फैक्ट फाइल: भारत चांद के साउथ पोल पर स्पेसक्राफ्ट उतारने वाला दुनिया का इकलौता देश है। वहीं, चांद पर सफल लैंडिंग के मामले में अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत चौथा देश बन गया है।

पत्रकारिता के उच्च मापदंडों पर खरे उतरने के लिए बप्पा हमें विवेक और शक्ति प्रदान करें, यही हमारी मंगलकामना है। सत्य को सामने लाने की 'देश दर्पण संवाद' की इस नई यात्रा में सुधी पाठकों का स्नेह, समर्थन और विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी बनेगा।

करोड़ों चेहरों पर आई मुस्कान: डिजिटल समावेशन और कल्याणकारी नीतियों से मिट रही देश की गरीबी

नई दिल्ली: भारत के सामाजिक और आर्थिक विकास के इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की ताजा 'पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' रिपोर्ट ने भारत में गरीबी उन्मूलन की रफ्तार पर एक बेहद सकारात्मक और ऐतिहासिक मुहर लगाई है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब दुनिया में सबसे तेज गति से गरीबी कम करने वाले अग्रणी देशों की कतार में सबसे आगे खड़ा है। इसे वैश्विक विशेषज्ञ एक 'ऐतिहासिक गिरावट' के रूप में देख रहे हैं।

आंकड़ों के आईने में यह सफलता किसी चमत्कार से कम नहीं है। वर्ष 2011 से 2023 के बीच, भारत में लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी के जाल से बाहर निकले हैं। क्रय शक्ति समता के आधार पर 4.20 डॉलर प्रतिदिन से कम पर जीने वाली आबादी जो कभी 57.7% थी, वह अब सिमटकर महज 16.1% रह गई है।

यह भारी गिरावट दर्शाती है कि देश का एक बहुत बड़ा वर्ग अब विकास की मुख्यधारा का हिस्सा बन चुका है।

इस वैश्विक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे देश की नीतियों की दूरदर्शिता और जमीनी सफलता बताया है।

प्रधानमंत्री के शब्दों में, "गरीबी में आई यह ऐतिहासिक कमी केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार और एक पूरी पीढ़ी के लिए अवसरों का एक नया महासागर खुलने जैसा है।"

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की इस सफलता के पीछे तीन मुख्य स्तंभ हैं—बुनियादी सुविधाओं की हर घर तक पहुंच, डिजिटल समावेशन (DPI) की क्रांति, और खाद्य सब्सिडी जैसी कल्याणकारी योजनाओं का सीधा और पारदर्शी क्रियान्वयन। आज भारत का यह मॉडल दुनिया के विकसित और विकासशील देशों के लिए एक 'केस स्टडी' बन चुका है।

हालाँकि, इस शानदार प्रगति के साथ कुछ चुनौतियाँ भी हैं, जिन पर ध्यान देना जरूरी है। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे क्षेत्रों में अभी भी गरीबी का एक बड़ा हिस्सा केंद्रित है। साथ ही, युवा बेरोजगारी दर में हुई मामूली बढ़ोतरी यह संकेत देती है कि आने वाले समय में ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना हमारी अगली बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए।



ई-मुद्रा के 8 सुरक्षा कोड लीक, सरकारी साइटों पर खतरा?



नई दिल्ली: दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर 19 विपक्षी दलों के 215 सांसदों ने एक 'मॉक पार्लियामेंट' का आयोजन किया।

पूर्व लोकसभा स्पीकर मीरा कुमार की अध्यक्षता में 3 घंटे 23 मिनट तक चले इस सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 6 आरोपों वाला 'जन-महाभियोग' प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। 'जन-महाभियोग' किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ जनता या राजनीतिक दलों द्वारा किया जाने वाला एक सांकेतिक विरोध होता है, जिससे पदाधिकारी को सीधे हटाया नहीं जा सकता।

सत्र में अपने 15 मिनट के संबोधन में राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव को अवैध करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि 'SIR' के जरिए 15 फीसदी (करीब 13.3 करोड़) मतदाताओं के नाम काटे गए, जबकि इस चुनाव में जीत का अंतर सिर्फ 3 फीसदी वोटों का था। राहुल ने तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष के लिए बाकी सभी संस्थान बंद कर दिए गए हैं और उन्हें लोकसभा-राज्यसभा में बोलने नहीं दिया जाता, इसलिए बगीचे में बैठकर सीईसी के महाभियोग पर चर्चा करनी पड़ रही है।

राहुल गांधी ने सीईसी ज्ञानेश कुमार पर देशद्रोह का मुकदमा चलाने की मांग का समर्थन किया। सरकार को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि देश की आत्मा पर हमला किया गया है और जनता इस वोट चोरी को न तो भूलेगी और न ही माफ करेगी।

उन्होंने यह भी दावा किया कि इस बगीचे से एक 'नया राजनीतिक हथियार' तैयार हो रहा है, जो भविष्य में सरकार को भारी नुकसान पहुंचाएगा और संविधान की रक्षा करेगा।

विपक्ष की 'मॉक संसद' में सीईसी पर जन-महाभियोग पास; राहुल ने 2024 चुनाव को बताया अवैध



नई दिल्ली: दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर 19 विपक्षी दलों के 215 सांसदों ने एक 'मॉक पार्लियामेंट' का आयोजन किया।

पूर्व लोकसभा स्पीकर मीरा कुमार की अध्यक्षता में 3 घंटे 23 मिनट तक चले इस सत्र में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 6 आरोपों वाला 'जन-महाभियोग' प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।

'जन-महाभियोग' किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ जनता या राजनीतिक दलों द्वारा किया जाने वाला एक सांकेतिक विरोध होता है, जिससे पदाधिकारी को सीधे हटाया नहीं जा सकता।

सत्र में अपने 15 मिनट के संबोधन में राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव को अवैध करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि 'SIR' के जरिए 15 फीसदी (करीब 13.3 करोड़) मतदाताओं के नाम काटे गए, जबकि इस चुनाव में जीत का अंतर सिर्फ 3 फीसदी वोटों का था।

राहुल ने तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष के लिए बाकी सभी संस्थान बंद कर दिए गए हैं और उन्हें लोकसभा-राज्यसभा में बोलने नहीं दिया जाता, इसलिए बगीचे में बैठकर सीईसी के महाभियोग पर चर्चा करनी पड़ रही है।

राहुल गांधी ने सीईसी ज्ञानेश कुमार पर देशद्रोह का मुकदमा चलाने की मांग का समर्थन किया। सरकार को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि देश की आत्मा पर हमला किया गया है और जनता इस वोट चोरी को न तो भूलेगी और न ही माफ करेगी।

उन्होंने यह भी दावा किया कि इस बगीचे से एक 'नया राजनीतिक हथियार' तैयार हो रहा है, जो भविष्य में सरकार को भारी नुकसान पहुंचाएगा और संविधान की रक्षा करेगा।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस स्पेशल कवरेज

मप्र का 71वां स्थापना दिवस यूसीसी पर गर्व, दुग्ध उत्पादन में नंबर-1 का लक्ष्य और भव्य समारोह





भोपाल: रविवार को मध्यप्रदेश का 71वां स्थापना दिवस पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राजधानी भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में आयोजित भव्य समारोह का शुभारंभ आतिशबाजी के साथ हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए इसे केवल एक प्रशासनिक इकाई का निर्माण नहीं, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भौगोलिक चेतना का सम्मान बताया।

यूसीसी, राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर जोर

मुख्यमंत्री ने समान नागरिक संहिता (UCC) का जिक्र करते हुए कहा कि मप्र विधानसभा में इससे जुड़ा कानून पारित करना सौभाग्य की बात है, जो 'एक देश, एक विधान' की भावना से जुड़ा है। राष्ट्रीय सुरक्षा पर कड़ा संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान में तीन बार घुसकर आतंकियों को तबाह किया है। इसके साथ ही यह घोषणा की गई कि 15 जनवरी को भोपाल में सेना दिवस का भव्य आयोजन होगा, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल होंगे।

आर्थिक मोर्चे पर सीएम ने बताया कि दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश वर्तमान में तीसरे स्थान पर है, जिसे पहले स्थान पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

किसानों और युवाओं का सम्मान

समारोह में 'किसान कल्याण स्वाभिमान योजना' के तहत भोपाल के संदीप वर्मा को प्रथम विजेता चुना गया। मुख्यमंत्री ने उन्हें मंच पर एक ट्रैक्टर और 7.26 लाख रुपये का चेक भेंट किया। इसके अलावा क्विज विजेता सुहानी राजपूत को बुलेट और छात्रा अक्षरा गोस्वामी को एक लाख रुपये का चेक सौंपा गया।

ठाकुर ने बांधा समां

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बॉलीवुड गायिका मोनाली ठाकुर की लाइव परफॉर्मेंस रही। उन्होंने 'ये मोह-मोह के धागे', 'अल्लाह दुहाई है' और 'तूने मारी एंट्रियां' जैसे शानदार गानों से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। 'ओ गाड़ा करे' गाते हुए वे मंच से नीचे उतरीं और भीड़ के बीच पहुंचकर अपनी प्रस्तुति दी।

भोपाल की 54 वर्षीय भावना टोकेकर ने किर्गिस्तान में रचा इतिहास, जीते 2 गोल्ड मेडल !

भोपाल की 'पावर-वुमन' किर्गिस्तान में भावना का दबदबा, 5 विश्व रिकॉर्ड किए अपने नाम



भोपाल: यह साबित करते हुए कि उम्र महज़ एक आंकड़ा है, भोपाल की 54 वर्षीय पावरलिफ्टर भावना टोकेकर ने किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भारत का परचम लहराया है।

अपने शानदार प्रदर्शन से उन्होंने प्रतियोगिता में दो गोल्ड मेडल जीतने के साथ-साथ पांच नए वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम किए हैं। वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग कांग्रेस (WPC) द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भावना ने मास्टर्स-3 (50 से 54 वर्ष) आयु वर्ग के 75 किलोग्राम से कम भार वर्ग में हिस्सा लिया था।

74.2 किलो वजन के साथ अखाड़े में उतरीं भावना ने स्क्वाट में 105 किलो, बेंच प्रेस में 82.5 किलो और डेडलिफ्ट में 135 किलो वजन उठाकर अपने ही पिछले विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिए। इन तीनों स्पर्धाओं में कुल 322.5 किलो वजन उठाकर उन्होंने 'फुल पावरलिफ्टिंग टोटल' का चौथा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

इसके अलावा, एकल बेंच प्रेस में 85 किलो वजन उठाकर उन्होंने पांचवां रिकॉर्ड भी अपने नाम दर्ज किया।

चार साल की कड़ी तपस्या का परिणाम

अपनी इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे की मेहनत साझा करते हुए भावना ने बताया कि 2022 की मैनचेस्टर वर्ल्ड चैंपियनशिप के बाद उन्होंने लगातार चार साल तक इस प्रतियोगिता के लिए खुद को तैयार किया।

इस दौरान उन्होंने अनुशासन का पूरी तरह पालन किया और एक दिन भी ट्रेनिंग नहीं छोड़ी। यहां तक कि अपनी मां से मिलने जाने के दौरान भी उन्होंने अपना अभ्यास जारी रखा। मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए उन्होंने सख्त वर्जिश की और फास्ट फूड से पूरी तरह दूरी बनाए रखी।

आपको बता दें कि यह भावना की पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि नहीं है; इससे पहले भी वे 2019 की ओपन एशियन चैंपियनशिप में चार गोल्ड मेडल और 2022 की मैनचेस्टर चैंपियनशिप में चार वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर देश को गौरवान्वित कर चुकी हैं।

डायमंड डीवाज़ द्वारा हैलोवीन किटी पार्टी का शानदार आयोजन





● प्रकाश त्रिपाठी

भोपाल। डायमंड डीवाज़ ग्रुप द्वारा पिक्चर्स क्लब में हैलोवीन थीम पर एक शानदार किटी पार्टी का आयोजन किया गया। इस बार की पार्टी को नोनी मेहता और डॉ. रचना ने होस्ट किया।

कार्यक्रम में डायमंड डीवाज़ की एडमिन कृति शर्मा, प्रियंका पुरोहित और वंदना चांद के नेतृत्व में सभी महिलाओं ने हैलोवीन गेटअप में शिरकत की और थीम को पूरी तरह से एन्जॉय किया।

समारोह में विशेष अतिथियों को सम्मानित भी किया गया। इसमें 26 क्राउन होल्डर प्रिया तिवारी जी को विशेष सम्मान दिया गया। उनका लुक आकर्षण का केंद्र रहा।

इसके अलावा मशहूर फैशन डिजाइनर प्रतिभा यादव जी और थर्ड आई ऑफ मध्य प्रदेश की आयोजक एवं संभव क्रिएशन्स की फाउंडर सीमा विश्वकर्मा जी का भी इस किटी में सम्मान किया गया।

डायमंड डीवाज़ की एडमिन कृति शर्मा, वंदना चांद और प्रियंका पुरोहित सामाजिक कार्यों से जुड़ी हुई हैं और हमेशा महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करती हैं।

इस आयोजन में भी उनका विशेष योगदान रहा। इस जबरदस्त आयोजन में अलग-अलग क्षेत्रों की 30 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया। कुल मिलाकर हैलोवीन थीम पर आधारित यह पार्टी बेहद सफल और यादगार रही।

भोपाल मेट्रो वेंडिंग मशीनों से सफर हुआ आसान, लेकिन कमाई खर्च के 2% से भी कम !

घाटे के सफर के बीच भोपाल मेट्रो की नई पहल: अब 30 सेकंड में खुद निकाल सकेंगे क्यूआर टिकट !



भोपाल: शहरवासियों के लिए मेट्रो का सफर अब और भी सुविधाजनक होने जा रहा है। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने भोपाल के स्टेशनों पर टिकट वेंडिंग मशीनें (TVM) शुरू कर दी हैं।

अब यात्रियों को टिकट के लिए काउंटर की कतारों में लगने की जरूरत नहीं होगी; वे यूपीआई (UPI) के जरिए महज 30 सेकंड में खुद अपना प्रिंटेड क्यूआर (QR) टिकट निकाल सकेंगे।

दृष्टिबाधित यात्रियों की सुविधा के लिए इन मशीनों में ब्रेल लिपि भी दी गई है।

कमाई के मोर्चे पर मेट्रो के हाथ खाली

सुविधाओं के विस्तार के बीच भोपाल मेट्रो का आर्थिक पक्ष फिलहाल चिंताजनक है।

6.22 किलोमीटर के प्रायोरिटी कॉरिडोर के संचालन और रखरखाव पर रोजाना लगभग 5.5 से 7 लाख रुपये (सालाना 20-25 करोड़ रुपये) खर्च हो रहे हैं। इसके विपरीत, सामान्य दिनों में यात्रियों की संख्या बमुश्किल 150 से 500 और वीकेंड पर 1,000 से 1,200 तक ही पहुंच रही है। हालात यह हैं कि टिकटों से होने वाली कुल कमाई मेट्रो के परिचालन खर्च के 2 फीसदी तक भी नहीं पहुंच पा रही है।

यात्रियों को लुभाने 31 दिसंबर तक विशेष छूट यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए प्रबंधन ने 31 दिसंबर तक कई आकर्षक छूट लागू की हैं। इनमें रिटर्न जर्नी पर 30% और ग्रुप टिकट (अब दो यात्री भी मान्य) पर 35% तक की छूट शामिल है। वहीं सिंगल जर्नी पर भी 25% की अतिरिक्त छूट मिल रही है। नई टिकट वेंडिंग मशीनों से पूरी प्रक्रिया कैशलेस और कॉन्टैक्टलेस हो गई है, जिससे पीक ऑवर्स में काउंटरों पर 70% तक दबाव कम होने की उम्मीद है।



महाकाल के दर्शन हुए आसान, विंध्य से मालवा की दूरी सिमटी: रीवा-इंदौर हवाई सेवा के 300 दिन पूरे



देश दर्पण संवाद, रीवा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विंध्य और मालवा अंचल के बीच हवाई कनेक्टिविटी लगातार मजबूत हो रही है।

रीवा एयरपोर्ट से इंदौर के लिए संचालित नियमित विमान सेवा ने अपनी सफलता के 300 दिन पूरे कर लिए हैं। इन 300 दिनों में लगभग 24,500 यात्रियों ने इस सुगम हवाई यात्रा का लाभ उठाया है। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के अनुसार, यह विमान सेवा दोनों प्रमुख क्षेत्रों के बीच सुविधाजनक आवागमन का एक सशक्त माध्यम बन गई है।

इस हवाई सेवा के शुरू होने से विंध्यवासियों को कई बड़े और सीधे लाभ मिल रहे हैं।

अब रीवा और आसपास के लोगों के लिए धार्मिक पर्यटन बेहद सुलभ हो गया है। हवाई यात्रा के जरिए यात्री महज कुछ घंटों में इंदौर पहुंचकर, वहां से आसानी से उज्जैन जाकर ज्योतिर्लिंग बाबा महाकाल के दर्शन कर सकते हैं।

इसके अलावा, मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर पहुंचने से यात्रियों को देश के अन्य महानगरों के लिए भी बेहतरीन हवाई कनेक्टिविटी का सीधा फायदा मिल रहा है, जिससे लंबी और थकाऊ यात्राओं से निजात मिली है और समय की भारी बचत हो रही है।

सुदृढ़ होती यह हवाई कनेक्टिविटी अंचल के आर्थिक और सामाजिक विकास में भी मील का पत्थर साबित हो रही है। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल का कहना है कि यह विमान सेवा विंध्य क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ निवेश, उद्योग, शिक्षा एवं विकास के नए अवसरों के द्वार खोल रही है।

इससे जहां एक ओर व्यापारिक गतिविधियों को नई रफ्तार मिल रही है, वहीं दूसरी ओर छात्रों, मरीजों और युवाओं के लिए भी मालवा क्षेत्र तक पहुंचना बेहद आसान और सुविधाजनक हो गया है।

जनगणना 2027: मप्र में पहली डिजिटल गणना की तैयारी तेज, 'स्व-गणना' पर रहेगा जोर

भोपाल। मध्यप्रदेश में आगामी 'जनगणना-2027' को लेकर प्रशासनिक तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल की अध्यक्षता में संपन्न राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में इस देश की पहली डिजिटल जनगणना को तय समय-सीमा में पूर्ण करने की रणनीति बनाई गई।



डिजिटल प्रक्रिया और स्व-गणना

इस बार जनगणना का पूरा डेटा मोबाइल ऐप से जुटाया जाएगा और वेब पोर्टल से मॉनिटरिंग होगी। मुख्य सचिव ने 'स्व-गणना' (Self-Enumeration) को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया।

इसके लिए कॉलेज के छात्रों को फॉर्म भरने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा और सोशल मीडिया पर जागरूकता वाले वीडियो प्रसारित किए जाएंगे ताकि अधिक से अधिक नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकें।

जनवरी-फरवरी 2027 में मुख्य चरण जनगणना का दूसरा चरण (जनसंख्या की गिनती) जनवरी और फरवरी 2027 में किया जाएगा।

इसका पूर्व परीक्षण जुलाई 2026 में सिवनी और ग्वालियर के चयनित क्षेत्रों में सफलतापूर्वक हो चुका है।

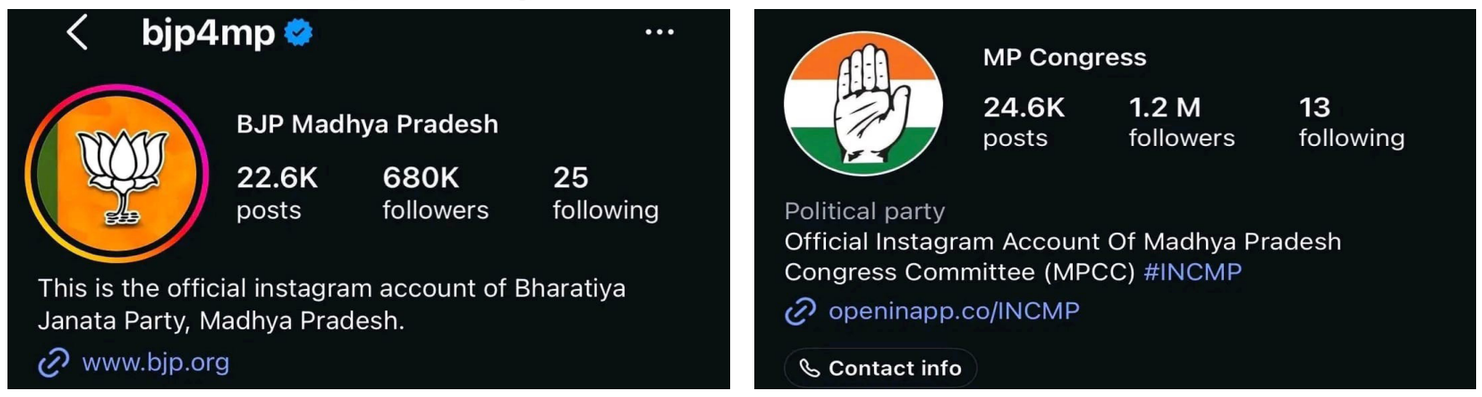
इस वृहद कार्य के लिए लगभग 2 लाख प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

प्रशासनिक निर्देश

आगामी 12-13 नवंबर को मास्टर ट्रेनर्स और नवंबर के तीसरे सप्ताह में सभी कलेक्टर्स को राज्य स्तरीय प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शिक्षा विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वे 2027 की परीक्षाओं का शेड्यूल जनगणना के कार्य को ध्यान में रखकर बनाएं। साथ ही, कार्य पूरा होने तक जनवरी से मार्च 2027 के बीच तबादलों और प्रशासनिक सीमाओं में बदलाव पर रोक रहेगी।

डिजिटल मैदान पर पिछड़ती भाजपा: इंस्टाग्राम पर कांग्रेस के फॉलोअर्स हुए दोगुने, 2028 के लिए खतरे की घंटी



● प्रकाश त्रिपाठी

इंदौर: मध्य प्रदेश में सत्ता का रास्ता अब केवल मैदानी रैलियों से होकर नहीं, बल्कि मोबाइल की स्क्रीन और सोशल मीडिया की 'फीड' से गुजरता है। राजनीतिक दलों के आधिकारिक इंस्टाग्राम खातों के ताज़ा आंकड़े इस बात की स्पष्ट गवाही दे रहे हैं कि युवाओं (Gen Z) का रुझान किस ओर है और सत्ताधारी दल डिजिटल मोर्चे पर कहां गलती कर रहा है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो मध्य प्रदेश कांग्रेस के इंस्टाग्राम खाते (MP Congress) पर फॉलोअर्स की संख्या 12 लाख (1.2 मिलियन) तक पहुंच गई है, जबकि उन्होंने अब तक 24.6 हजार पोस्ट किए हैं।

इसके ठीक उलट, मध्य प्रदेश भाजपा (bjp4mp) 22.6 हजार पोस्ट के साथ मात्र 6 लाख 80 हजार (680K) फॉलोअर्स तक ही सीमित है। यानी, सोशल मीडिया के इस सबसे अहम मोर्चे पर कांग्रेस के फॉलोअर्स भाजपा से लगभग दोगुने (करीब 5.20 लाख अधिक) हैं।

आखिर कहां चूक रही है सत्ताधारी पार्टी?

वर्तमान समय में 18 से 29 वर्ष का युवा वर्ग इंस्टाग्राम पर सर्वाधिक सक्रिय है। यह वह पीढ़ी है जो लंबे राजनीतिक भाषणों के बजाय 30 सेकंड की 'रील', 'मीम' और ट्रेंडिंग विषयों के माध्यम से नेताओं को परखती है। कांग्रेस की टीम ने युवाओं की इसी नब्ज को पकड़ा है।

वे रोजगार, पेपर लीक, शिक्षा और महंगाई जैसे ज्वलंत मुद्दों को युवाओं की ही भाषा में उनके सामने रख रहे हैं, जिससे उनका पेज युवाओं को अधिक अपना सा (रिलेटेबल) लग रहा है।

दूसरी ओर, भाजपा का डिजिटल अभियान अभी भी पारंपरिक प्रचार और एकतरफा संवाद तक ही सीमित दिख रहा है।

पार्टी यह समझने में चूक कर रही है कि आज का युवा केवल उपलब्धियां नहीं सुनना चाहता, बल्कि अपने असल मुद्दों पर बात करना चाहता है। अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए भाजपा युवा मोर्चा ने एक लाख रुपये तक के इनाम वाली 'रील बनाओ, इनाम पाओ' प्रतियोगिता भी शुरू की थी। लेकिन वर्तमान आंकड़े बताते हैं कि युवाओं को केवल इनाम का आकर्षण देकर पार्टी से नहीं जोड़ा जा सकता; इसके लिए उनके सरोकारों से जुड़ना आवश्यक है।

2028 के चुनाव में निर्णायक होगी युवाओं की भूमिका

आगामी 2028 के विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश के करीब 65 लाख युवा पहली या दूसरी बार मतदान करेंगे। यह मतदाता जातिगत और पारंपरिक समीकरणों से ज्यादा अपने भविष्य और रोजगार को लेकर चिंतित है।

भाजपा के रणनीतिकारों को यह समझना होगा कि जमीनी स्तर पर संगठन का मजबूत होना ही अब जीत की एकमात्र गारंटी नहीं है।

कांग्रेस ने डिजिटल दुनिया में जिस तरह युवाओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत की है, यदि सत्ताधारी दल ने समय रहते अपनी रणनीति में बदलाव नहीं किया और युवाओं से सीधा संवाद स्थापित नहीं किया, तो आगामी चुनावों में यह डिजिटल फासला भारी पड़ सकता है।

क्या आपको भी वीडियो कॉल पर पुलिस या सीबीआई बनकर 'डिजिटल अरेस्ट' की धमकी मिली है?



नई दिल्ली।

सावधान हो जाइए!

अब सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे अपराधियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर होने वाली इस साइबर ठगी को सीधे तौर पर 'डिजिटल डकैती' करार दिया है। कोर्ट ने कहा है कि यह कोई मामूली जबरन वसूली नहीं, बल्कि एक बेहद गंभीर अपराध है।

कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि ये बेरहम अपराधी वीडियो कॉल के जरिए खासतौर पर हमारे बुजुर्गों और रिटायर्ड लोगों को निशाना बना रहे हैं। ऐसे अपराधियों से बेहद सख्ती से निपटा जाना चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने साफ कर दिया कि अगर ठोस सबूत हों, तो मुकदमा खत्म होने से पहले ही ऐसे अपराधियों की संपत्ति फ्रीज कर देनी चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि आरोपियों की सहूलियत के लिए देशभर के पीड़ितों को परेशान नहीं किया जा सकता। इसलिए, अगर आपके पास भी वॉट्सऐप या ईमेल पर कोई अनजान लिंक, या KYC के नाम पर वीडियो कॉल आए, तो भूलकर भी उसे न उठाएं। सुरक्षित रहें, सतर्क रहें।

इस वीडियो को अपने परिवार और खासकर घर के बुजुर्गों के साथ जरूर शेयर करें ताकि वो इस 'डिजिटल डकैती' से बच सकें।

अवैध घुसपैठ न हो तो UAPA में विदेशियों को भी बेल का अधिकार: सर्वोच्च न्यायालय



नई दिल्ली।

देश की सर्वोच्च अदालत ने गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत विदेशी नागरिकों की जमानत को लेकर एक ऐतिहासिक और स्पष्ट व्यवस्था दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्धारित किया है कि किसी आरोपी का केवल 'विदेशी' होना, उसकी जमानत याचिका खारिज करने का एकमात्र आधार नहीं माना जा सकता। अदालत के मुताबिक, यदि किसी विदेशी नागरिक ने भारत में कानूनी रूप से (वैध वीजा के साथ) प्रवेश किया था, तो उसे भी यूएपीए के तहत जमानत पाने का अधिकार है। वीजा अवधि समाप्त होना नहीं है अवैध प्रवेश

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की युगलपीठ ने स्पष्ट किया कि यूएपीए की धारा 43डी(7) के अंतर्गत जमानत पर जो सख्त पाबंदियां लगाई गई हैं, वे मूल रूप से उन विदेशियों के लिए हैं जिनकी भारत में एंट्री ही अवैध रही हो।

यदि कोई व्यक्ति वैध दस्तावेजों के आधार पर देश में आया और बाद में वीजा की मियाद खत्म होने से उसका यहां रहना अवैध हो गया, तब भी उस पर बेल रोकने की यह कठोर शर्त सीधे तौर पर लागू नहीं होगी।

श्रीलंकाई नागरिक के मामले में आया फैसला

सर्वोच्च न्यायालय ने यह महत्वपूर्ण टिप्पणी मोहम्मद रिफ़ास नामक एक श्रीलंकाई नागरिक के मामले में की है। रिफ़ास को जांच एजेंसियों द्वारा समय पर चार्जशीट पेश न कर पाने के कारण निचली अदालत से 'डिफॉल्ट बेल' (वैधानिक जमानत) मिल गई थी। केंद्र सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ इस जमानत को रद्द करवाने के लिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। सरकार का तर्क था कि आरोपी ने अपनी नागरिकता छिपाई थी और वह एक विदेशी है। डिफॉल्ट जमानत के अधिकार पर मुहर

पीठ ने केंद्र सरकार की दलील और अपील को खारिज कर दिया। अदालत ने जांच रिकॉर्ड का अवलोकन कर पाया कि आरोपी ने शुरुआत में वैध वीजा पर ही देश में प्रवेश किया था और अभियोजन पक्ष यह साबित करने में विफल रहा कि उसकी एंट्री अवैध थी। सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि यूएपीए का कड़ा प्रावधान किसी भी स्थिति में दंड प्रक्रिया संहिता के तहत मिलने वाले 'डिफॉल्ट जमानत' के बुनियादी अधिकार को समाप्त नहीं करता है। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, यह निर्णय उन मामलों के लिए बड़ी नजीर बनेगा, जहां एजेंसियां केवल विदेशी मूल का हवाला देकर जमानत का पुरजोर विरोध करती हैं।

दीपावली से पूर्व केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा उपहार: कैबिनेट ने महंगाई भत्ते में की 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी



नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय मंत्रिमंडल की उच्चस्तरीय बैठक में देश के लाखों केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को दीपावली से पहले बड़ा आर्थिक उपहार दिया गया है।

केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (DA) और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत (DR) में 3 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दे दी है।

इस फैसले के बाद महंगाई भत्ते की दर में बढ़ोतरी होगी और नई दरें 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी मानी जाएंगी। इससे कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को पिछले महीनों का एरियर भी मिलने का रास्ता साफ होगा।

सरकार के इस फैसले से देश के लगभग 48.54 लाख नियमित केंद्रीय कर्मचारियों और 68.71 लाख पेंशनभोगियों को सीधा आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद है। इस तरह करीब 1.17 करोड़ लोग इस निर्णय से लाभान्वित होंगे।

महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में की गई यह बढ़ोतरी बढ़ती महंगाई के बीच कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की आर्थिक स्थिति को कुछ राहत प्रदान करेगी। खासतौर पर त्योहारों के मौसम में अतिरिक्त राशि मिलने से घरेलू खर्च, खरीदारी और बचत की योजनाओं को सहारा मिल सकता है।

वित्तीय दृष्टि से इस निर्णय का सरकारी खजाने पर भी बड़ा प्रभाव पड़ेगा। सरकार के अनुसार, इस बढ़ोतरी से प्रतिवर्ष लगभग 10,016 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा।

यह वृद्धि 7वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप की गई है। महंगाई भत्ता कर्मचारियों के मूल वेतन के आधार पर निर्धारित किया जाता है, जबकि महंगाई राहत पेंशनभोगियों की पेंशन पर लागू होती है। दोनों का उद्देश्य महंगाई के कारण घटती क्रय शक्ति के प्रभाव को कम करना है।

दीपावली के अवसर पर लिया गया यह निर्णय केंद्र सरकार के कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हालांकि, वास्तविक लाभ प्रत्येक कर्मचारी के मूल वेतन और पेंशन की राशि के अनुसार अलग-अलग होगा।

कुल मिलाकर, इस फैसले से करोड़ों लाभार्थियों को आर्थिक राहत मिलने के साथ त्योहारों के दौरान बाजार में मांग और उपभोक्ता खर्च को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है।

देश के करोड़ों अन्नदाताओं को दिवाली का उपहार: पीएम किसान की 24वीं किस्त जारी, खातों में पहुंचे ₹2,000



नई दिल्ली।

दीपावली के पावन पर्व से पूर्व केंद्र सरकार ने देश के किसानों को बड़ा आर्थिक संबल प्रदान किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 30 अक्टूबर 2026 को गुजरात के बनासकांठा से 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' (पीएम-किसान) योजना की बहुप्रतीक्षित 24वीं किस्त जारी कर दी है।

प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से देश भर के लगभग 9 करोड़ 34 लाख पंजीकृत किसानों के बैंक खातों में 2,000-2,000 रुपये की वित्तीय सहायता सीधे स्थानांतरित कर दी गई है।

दो दिवसीय गुजरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री ने इस योजना के तहत कुल 18,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि एक क्लिक के माध्यम से हस्तांतरित की।

इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए कहा गया कि केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने, लागत घटाने और उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

रबी की आगामी बुवाई से ठीक पहले प्राप्त हुई इस आर्थिक सहायता से किसानों को खाद, बीज और कृषि उपकरणों की व्यवस्था करने में बड़ी सुविधा मिलेगी। देशभर के किसान संगठनों ने त्योहार से ठीक पहले मिली इस सहायता का स्वागत किया है।

महाराष्ट्र सरकार ने लॉन्च किया 'MahaINDUS AI' प्लेटफ़ॉर्म



मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने 28 अक्टूबर 2026 को सरकारी कामकाज और औद्योगिक ईकोसिस्टम को आधुनिक बनाने के लिए 'MahaINDUS AI' नामक एक बेहद एडवांस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च किया है।

इस डिजिटल पहल का मुख्य उद्देश्य राज्य के प्रशासनिक विभागों, पारदर्शिता, और व्यापार सुगमता (Ease of Doing Business) को एक नई ऊँचाई पर ले जाना है।

यह प्लेटफ़ॉर्म एकीकृत डेटाबेस (Integrated Databases) के साथ मिलकर काम करेगा, जिससे विभिन्न सरकारी विभागों को कॉर्पोरेट और स्टार्टअप्स की फाइलों को तेज़ी से प्रोसेस करने में मदद मिलेगी। व्यापार जगत के विशेषज्ञों का मानना है कि इस एआई अपग्रेड के बाद उद्योगों को मिलने वाली मंज़ूरियों में लगने वाला समय आधा रह जाएगा।

इसके अलावा, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के सही लाभार्थियों की पहचान करने और दावों की सत्यता जाँचने में भी यह तकनीक गेम-चेंजर साबित होगी, जिससे राज्य में निवेश का माहौल और बेहतर होगा।

कैंसर मरीजों को संजीवनी: 543 दवाओं की कीमतों में 93% तक की ऐतिहासिक कटौती, मुनाफाखोरी पर लगाम



नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी के बाद केंद्र सरकार ने कैंसर मरीजों को बड़ी राहत देते हुए 543 ब्रांडेड दवाओं और इंजेक्शनों की एमआरपी (MRP) में भारी कटौती की है।

राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (NPPA) ने अस्पतालों और फार्मा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लगाते हुए ट्रेड मार्जिन की ऊपरी सीमा 30% तय कर दी है।

ये नई दरें आगामी 9 नवंबर 2026 से देशभर में अनिवार्य रूप से लागू हो जाएंगी। इस फैसले से ब्लड, ब्रेस्ट और फेफड़ों के कैंसर का इलाज बेहद सस्ता हो गया है।

नई दरों के अनुसार, 80,072 रुपये में मिलने वाला सैमटेपा वायल अब मात्र 7,150 रुपये में और 40,421 रुपये वाला पाल्बोप्रो पैक 2,720 रुपये में मिलेगा।

इसी तरह 21,767 रुपये का बेवासिजाब इंजेक्शन 5,930 रुपये में तथा 695 रुपये की एनार्जोल टैबलेट महज 73 रुपये में उपलब्ध होगी।

स्वास्थ्य मंत्रालय और ड्रग कंट्रोलर विभाग ने सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी सरकारी और निजी अस्पतालों, कैंसर केयर केंद्रों व मेडिकल स्टोरों को 9 नवंबर से नई रेट लिस्ट का डिस्प्ले बोर्ड लगाना अनिवार्य होगा।

निर्धारित एमआरपी से अधिक पैसे वसूलने पर संबंधित अस्पताल या फार्मासिस्ट पर मुकदमा दर्ज कर तुरंत लाइसेंस रद्द करने की कठोर कार्रवाई की जाएगी।

इस फैसले को कैंसर के इलाज को आम लोगों की पहुंच में लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। दवाओं की कीमतों में कमी से आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यमवर्गीय परिवारों पर इलाज का बोझ कम होगा। हालांकि, मरीजों को दवाएं खरीदते समय नई एमआरपी और बिल की जांच करने की सलाह दी गई है। किसी भी तरह की अधिक वसूली की स्थिति में वे संबंधित औषधि मूल्य नियंत्रण अधिकारियों से शिकायत कर सकते हैं।

'अर्नब' तूफान का कहर, ओडिशा में जलप्रलय, देश के 60% हिस्से में बारिश और पहाड़ों पर बर्फबारी



नई दिल्ली: चक्रवाती तूफान 'अर्नब' ने देश के मौसम को व्यापक रूप से प्रभावित किया है, जिससे उत्तर से लेकर दक्षिण तक लगभग 60% हिस्से में बारिश और घने बादल छाए हुए हैं। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, कमजोर पड़ चुका यह तूफान अब उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ते हुए एक कम दबाव के क्षेत्र में तब्दील हो गया है। इसके प्रभाव से उत्तर भारत, पूर्वी यूपी, छत्तीसगढ़ और बिहार में भारी बारिश का अनुमान है, जबकि आंध्र प्रदेश और ओडिशा पर दोबारा भारी बारिश का खतरा मंडरा रहा है।

ओडिशा और आंध्र में तबाही

तूफान के गुजरने के बाद ओडिशा के गंजम, गजपति और कंधमाल जिलों में गंभीर बाढ़ आ गई है। गंजम के 300 गांवों का संपर्क पूरी तरह टूट चुका है और करीब 62 हजार लोग बाढ़ के घेरे में हैं। एनडीआरएफ की 54 टीमें बचाव कार्य में जुटी हैं और अब तक 120 लोगों को एयरलिफ्ट किया जा चुका है। रुषिकुल्या, महेंद्रतनया और बहुदा नदियों के उफान पर होने से एनएच-326 का बड़ा हिस्सा बह गया है। वहीं, आंध्र प्रदेश में तूफान से अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है और ईस्ट कोस्ट रेलवे को 9 ट्रेनें रद्द तथा 14 डायवर्ट करनी पड़ी हैं।

पहाड़ों पर बर्फबारी से गिरा तापमान

मैदानी और तटीय इलाकों में जहां बारिश का कहर है, वहीं उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम तक अच्छी बर्फबारी हुई है। केदारनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री धामों में सुबह से दोपहर तक बर्फबारी हुई, जिससे केदारधाम का तापमान रात 8 बजे माइनस 6 डिग्री तक लुढ़क गया।

तूफान 'अर्नब' का असर

60%	देश में बारिश
300	गांवों का संपर्क टूटा
62 हजार	लोग बाढ़ से प्रभावित
54	NDRF टीमें तैनात
120	लोग एयरलिफ्ट
6	आंध्र में मौतें
9 + 14	ट्रेनें रद्द व डायवर्ट
−6°C	केदारनाथ का तापमान

बारिश | बाढ़ | बर्फबारी



डॉ. निलिम्प त्रिपाठी
(प्राध्यापक संस्कृत, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय)

पंच दिवसीय दीपोत्सव: प्रकाश, आस्था और उल्लास का महापर्व, "तमसो मा ज्योतिर्गमय"

वृहदारण्यकोपनिषद का यह पवित्र श्लोक हमें एक शाश्वत संदेश देता है— "हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलिए।" वृहदारण्यकोपनिषद का यह पवित्र श्लोक हमें एक शाश्वत संदेश देता है— "हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलिए।" भारतवर्ष उत्सवों और पर्वों की पुण्यभूमि है, जहाँ हर ऋतु और हर मास उल्लास का एक नया संदेश लेकर आता है। इन सभी उत्सवों में कार्तिक मास की अमावस्या के निकट मनाया जाने वाला दीपोत्सव (दिवाली) सर्वाधिक भव्य, चमकीला और आध्यात्मिक महत्व का पर्व है।

यह केवल एक दिन का त्योहार नहीं है, अपितु पांच दिनों तक चलने वाला एक पावन महापर्व है। यह हमारे जीवन से अज्ञान, अहंकार और नकारात्मकता के अंधकार को मिटाकर ज्ञान, प्रेम और सकारात्मकता के दीप प्रज्वलित करता है।

दीपोत्सव की यह पंच दिवसीय यात्रा धनतेरस से आरंभ होकर भाई दूज पर संपन्न होती है। इन पाँचों दिनों का अपना विशिष्ट पौराणिक, धार्मिक और सामाजिक महत्व है:

1. प्रथम दिन

धनतेरस (धनत्रयोदशी) — आरोग्यता और समृद्धि का श्रीगणेश

कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन 'धनतेरस' मनाया जाता है, जो धन और आरोग्य के देवता के स्वागत का प्रतीक है। पौराणिक मान्यता है कि समुद्र मंथन के दौरान इसी दिन भगवान धन्वंतरि अपने हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे।

इसी कारण इसे 'राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस' के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी और कुबेर जी की पूजा का विधान है। श्रद्धालु अपनी सामर्थ्य के अनुसार स्वर्ण, रजत आभूषण, नए बर्तन या गणेश-लक्ष्मी की मूर्तियां क्रय करते हैं।

संध्याकाल में अकाल मृत्यु के भय को दूर करने हेतु घर के मुख्य द्वार पर 'यम दीप' प्रज्वलित किया जाता है। वस्तुतः, धन का वास्तविक अर्थ केवल मुद्रा नहीं, अपितु उत्तम स्वास्थ्य, संतुष्ट मन और परोपकार की भावना है।

2. द्वितीय दिन

नरकचतुर्दशी(रूपचौदस)—बुराईकेअंतकाप्रतीक

कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को 'नरक चतुर्दशी' या 'छोटी दिवाली' कहा जाता है। कथाओं के अनुसार, इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अत्याचारी असुर नारकासुर का वध कर 16,100 राजकुमारियों को उसकी कैद से मुक्त कराया था।

यह दिन बुराई पर अच्छाई की विजय का उद्घोष है। इस दिन सूर्योदय से पूर्व उबटन और तैल मालिश कर 'अभ्यंग स्नान' करने का विशेष महत्व है, जो शरीर की शुद्धि करता है। संध्या के समय यमराज, हनुमान जी और महाकाली की आराधना कर दीपदान किया जाता है।

इसे रूप चौदस भी कहते हैं, जिसका मूल भाव आंतरिक और बाह्य, दोनों प्रकार के सौंदर्य को निखारना है।

3. तृतीय दिन

दीपावली (महालक्ष्मी पूजन) — आध्यात्मिक चरमोत्कर्ष

यह इस पंच दिवसीय महापर्व का मुख्य दिन है, जो कार्तिक अमावस्या की गहन रात्रि को मनाया जाता है। इसी पावन रात्रि को भगवान श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण जी चौदह वर्षों का वनवास पूर्ण कर और रावण का वध कर अयोध्या लौटे थे।

उनके आगमन की प्रसन्नता में अयोध्यावासियों ने घी के दीये जलाकर संपूर्ण नगरी को प्रकाशमान कर दिया था।

इसके अतिरिक्त, इसी दिन समुद्र मंथन से धन की देवी माता लक्ष्मी प्रकट हुई थीं।

संध्या के समय घरों में माता लक्ष्मी और भगवान विघ्नहर्ता गणेश की सविधि पूजा की जाती है। यह दिन हमें सिखाता है कि जिस प्रकार हजारों दीपों को एक ही दीपक से रोशन करने पर भी उस दीपक की लौ कम नहीं होती, उसी प्रकार खुशियां बांटने से सदैव बढ़ती हैं।

4. चतुर्थ दिन

गोवर्धन पूजा (अन्नकूट) — प्रकृति के प्रति कृतज्ञता

दीपावली के अगले दिन कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को 'गोवर्धन पूजा' का पर्व मनाया जाता है। द्वापर युग में देवराज इंद्र के मिथ्या अहंकार को खंडित करने हेतु भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की थी।

इस दिन घरों के आंगन में गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाकर पूजा की जाती है तथा छप्पन प्रकार के व्यंजनों का 'अन्नकूट' भोग लगाया जाता है। साथ ही, गोमाता और बैलों की विशेष पूजा की जाती है, जो हमारी कृषि प्रधान संस्कृति और पर्यावरण के प्रति हमारे गहरे जुड़ाव को रेखांकित करती है।

5. पंचम दिन

भाई दूज (यम द्वितीया) — स्नेह और अटूट रिश्तों का प्रतीक

कार्तिक शुक्ल द्वितीया को भाई दूज के साथ यह महापर्व पूर्णता को प्राप्त होता है।

पौराणिक आख्यान है कि इसी दिन सूर्य पुत्री यमुना ने अपने भाई यमराज को अपने घर भोजन के लिए सप्रेम आमंत्रित किया था और उनके भाल पर तिलक लगाकर दीर्घायु की कामना की थी।

यमराज ने प्रसन्न होकर वरदान दिया था कि जो भाई इस दिन अपनी बहन के हाथ का भोजन ग्रहण कर तिलक लगवाएगा, उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं सताएगा। यह पर्व भाई-बहन के मध्य विद्यमान निश्छल और पवित्र प्रेम को और अधिक प्रगाढ़ करता है।

सामाजिक और मनोवैज्ञानिक महत्व

दीपोत्सव केवल कर्मकांडों का समूह नहीं, अपितु समाज में सकारात्मक ऊर्जा के संचार का एक वृहद अवसर है। यह सामाजिक समरसता का वह पर्व है, जहाँ ऊंच-नीच और जाति-पांति के सभी भेद मिट जाते हैं।

जिस प्रकार हम अपने घरों के जाले साफ करते हैं, उसी प्रकार यह पर्व हमें मन के विकारों—क्रोध, ईर्ष्या और अहंकार—को स्वच्छ करने की प्रेरणा देता है। इसके अतिरिक्त, इस अवसर पर होने वाली आर्थिक गतिविधियों से कुम्हारों, शिल्पकारों और छोटे व्यापारियों को आजीविका व अपनी कला का उचित मूल्य प्राप्त होता है।

पंच दिवसीय दीपोत्सव हमें अंधकार से प्रकाश, निराशा से आशा और एकाकीपन से सामूहिकता की ओर ले जाने वाला एक दिव्य मार्ग है।

आइए, इस दीपोत्सव हम सब मिलकर केवल अपने घरों के दीये ही न जलाएं, अपितु किसी जरूरतमंद के जीवन में भी प्रेम, करुणा और सहयोग का एक नया दीप प्रज्वलित करें।

"शुभ दीवाली! आपके जीवन का हर कोना ज्ञान के प्रकाश, सफलता की चमक और अपनों के स्नेह से जगमगाता रहे।"

स्वस्थ जीवन का मंत्र: बीमारी होने का इंतजार नहीं, स्वास्थ्य की जिम्मेदारी आज से

आज के आधुनिक युग में मनुष्य ने विज्ञान, तकनीक और चिकित्सा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। गंभीर से गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए नई दवाइयाँ, आधुनिक मशीनें और बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसके बावजूद एक महत्वपूर्ण सवाल हमारे सामने है—क्या हम वास्तव में पहले से अधिक स्वस्थ हो रहे हैं? आज बदलती जीवनशैली, खानपान की गलत आदतें, शारीरिक निष्क्रियता, तनाव, अनियमित दिनचर्या और अपर्याप्त नींद ने अनेक स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दिया है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मोटापा और फैटी लिवर जैसी समस्याएँ अब केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रह गई हैं। युवा वर्ग भी तेजी से इनकी चपेट में आ रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि हम स्वास्थ्य को तब महत्व देते हैं, जब शरीर बीमारी के संकेत देने लगता है। जबकि वास्तविक स्वास्थ्य का अर्थ केवल बीमारी का न होना नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से स्वस्थ होना है।

1. भोजन केवल पेट भरने के लिए नहीं, शरीर को स्वस्थ रखने के लिए है

हमारे शरीर को प्रतिदिन ऊर्जा, प्रोटीन, विटामिन, खनिज और अन्य पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पौष्टिक भोजन की जगह फास्ट फूड, अत्यधिक तला-भुना भोजन, मीठे पेय पदार्थ और पैकेटबंद खाद्य पदार्थ लेते जा रहे हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) और राष्ट्रीय पोषण संस्थान (NIN) द्वारा जारी वर्ष 2024 के भारतीय आहार संबंधी दिशा-निर्देशों में संतुलित एवं विविधतापूर्ण भोजन पर विशेष जोर दिया गया है। हमारे दैनिक भोजन में हरी सब्जियाँ, मौसमी फल, दालें, साबुत अनाज, दूध या अन्य उपयुक्त प्रोटीन स्रोत और सीमित मात्रा में स्वस्थ वसा शामिल होनी चाहिए। नमक, चीनी और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन कम करना भी जरूरी है।

याद रखिए, महँगा भोजन हमेशा पौष्टिक नहीं होता। स्थानीय और मौसमी खाद्य पदार्थ भी अच्छे स्वास्थ्य का आधार बन सकते हैं।

2. व्यायाम शरीर की आवश्यकता है, विकल्प नहीं

मानव शरीर की संरचना सक्रिय रहने के लिए बनी है। घंटों एक ही स्थान पर बैठना, शारीरिक गतिविधि की कमी और लगातार मोबाइल या कंप्यूटर का उपयोग स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार वयस्कों को सप्ताह में कम से कम 150 से 300 मिनट मध्यम तीव्रता वाली शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए।

इसके लिए जिम जाना अनिवार्य नहीं है। तेज चाल से पैदल चलना, साइकिल चलाना, योग, तैराकी और नियमित शारीरिक श्रम भी लाभदायक विकल्प हैं।

प्रतिदिन कुछ समय स्वयं के शरीर के लिए निकालना भविष्य में कई बीमारियों के जोखिम को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

3. मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है

अक्सर हम शरीर में होने वाले दर्द और तकलीफों पर ध्यान देते हैं, लेकिन मानसिक तनाव, चिंता, अकेलापन और नींद की समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं। लगातार मानसिक तनाव व्यक्ति की कार्यक्षमता, नींद और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है। परिवार के साथ समय बिताना, अपनी समस्याओं को साझा करना, पर्याप्त नींद लेना, ध्यान और योग का अभ्यास करना मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकता है। मानसिक परेशानी को कमजोरी समझना गलत है। आवश्यकता पड़ने पर मनोवैज्ञानिक या मनोचिकित्सक की सहायता लेना भी उतना ही जरूरी है जितना शारीरिक बीमारी में चिकित्सक से परामर्श लेना।

4. समय पर स्वास्थ्य जांच करवाना क्यों जरूरी है?

कई बीमारियाँ शुरुआती अवस्था में स्पष्ट लक्षण नहीं देतीं। उच्च रक्तचाप और मधुमेह इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इसलिए केवल बीमारी महसूस होने पर ही चिकित्सक के पास जाना पर्याप्त नहीं है। उम्र, पारिवारिक इतिहास और व्यक्तिगत जोखिम के अनुसार नियमित स्वास्थ्य परीक्षण करवाना चाहिए। रक्तचाप, रक्त शर्करा, शरीर का वजन और कमर की माप जैसे सामान्य संकेतकों पर ध्यान देना चाहिए। आवश्यकता के अनुसार चिकित्सक अन्य जांचों की सलाह दे सकते हैं। समय पर बीमारी की पहचान होने से उपचार और नियंत्रण के बेहतरअवसर मिलते हैं।



डॉ. हर्ष मिश्रा
BAMS (MPM-SU) |
MBA (Hospital Administration)

5. स्वयं डॉक्टर बनने की गलती न करें आज इंटरनेट और सोशल मीडिया पर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी आसानी से उपलब्ध है।

लेकिन हर जानकारी सही और वैज्ञानिक हो, यह जरूरी नहीं है। बिना चिकित्सकीयसलाह के एंटीबायोटिक, स्टेरॉयड, दर्द निवारक या अन्य दवाओं का सेवन करना नुकसानदायक हो सकता है। इसी प्रकार किसी परिचित व्यक्ति को लाभ पहुंचाने वाली दवा हर व्यक्ति के लिए उपयुक्त हो, यह जरूरी नहीं है। स्वास्थ्य संबंधी निर्णय प्रमाणित चिकित्सा जानकारी और योग्य चिकित्सक की सलाह के आधार पर ही लेने चाहिए।

6. आयुर्वेद और आधुनिक स्वास्थ्य विज्ञान का महत्व

भारतीय चिकित्सा परंपरा में आयुर्वेद ने सदियों से स्वस्थ जीवनशैली, आहार, विहार, दिनचर्या और ऋतुचर्या को विशेष महत्व दिया है। आयुर्वेद का प्रसिद्ध सिद्धांत है—स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम्, आतुरस्य विकार प्रशमनम्। अर्थात् स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना और रोगी के रोग का उपचार करना। यह सिद्धांत हमें बताता है कि चिकित्सा का उद्देश्य केवल रोग का उपचार करना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य की रक्षा करना भी है। योग, उचित आहार, नियमित दिनचर्या और पर्याप्त विश्राम स्वस्थ जीवन के महत्वपूर्ण अंग हैं। हालांकि किसी गंभीर बीमारी में प्रमाणित उपचार और चिकित्सकीय सलाह का विकल्प कोई घरेलू उपाय या अप्रमाणित चिकित्सा पद्धति नहीं हो सकती।

7. स्वास्थ्य के प्रति समाज की भी जिम्मेदारी

स्वस्थ समाज के निर्माण में केवल चिकित्सकों की भूमिका नहीं होती। परिवार, विद्यालय, प्रशासन और प्रत्येक नागरिक की इसमें महत्वपूर्ण भागीदारी है। स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई, पोषण, टीकाकरण, स्वास्थ्य शिक्षा और नियमित चिकित्सा सुविधाएँ स्वस्थ समाज की आधारशिला हैं। बच्चों में बचपन से ही अच्छी खानपान की आदतें विकसित करना, युवाओं को नशे से दूर रखना और बुजुर्गों को नियमित स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

निष्कर्ष: स्वास्थ्य सबसे बड़ा निवेश है

हम अक्सर धन, करियर, व्यवसाय और भविष्य की योजनाओं के लिए समय निकालते हैं, लेकिन अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देते।

हमें यह समझना होगा कि अच्छा स्वास्थ्य किसी एक दिन में प्राप्त नहीं होता। यह प्रतिदिन लिए गए छोटे-छोटे सही निर्णयों का परिणाम है।

संतुलित भोजन, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, मानसिक शांति, स्वच्छता और समय पर स्वास्थ्य जांच—ये ऐसी आदतें हैं जो जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बना सकती हैं।

हमें बीमारी का इंतजार करने के बजाय स्वास्थ्य की रक्षा को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा।

क्योंकि स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ परिवार बनाता है और स्वस्थ परिवार ही स्वस्थ राष्ट्र की नींव रखता है।

एक संकल्प लें—दवा की जरूरत पड़ने से पहले अपनी जीवनशैली सुधारने का प्रयास करेंगे।

GeM के 10 साल : युवा भारत के लिए सरकारी कारोबार की 10 सीख

● प्रदीप सैनी

₹8.18 लाख करोड़ की सेवा-खरीद और ₹68 हजार करोड़ से अधिक के Startup ऑर्डर—युवा नवप्रवर्तकों के लिए सरकारी कारोबार का बदलता स्वरूप

प्रदीप सैनी

कल्पना कीजिए, एक युवा अपने कमरे में बैठकर ऐसा AI सॉफ्टवेयर बनाता है, जो कैमरे से वाहनों की गिनती कर सके। दूसरा ड्रोन से जमीन का डिजिटल नक्शा बनाता है और तीसरा ऐसा रोबोट तैयार करता है, जो खतरनाक स्थानों पर इंसान की जगह काम कर सके।

तीनों के मन में एक सवाल है—

"क्या हमारी बनाई तकनीक भी सरकार खरीद सकती है?"

जवाब है—हां, यदि तकनीक सरकारी आवश्यकता और निर्धारित शर्तों को पूरा करती हो।

लेकिन इस कहानी की सबसे दिलचस्प बात GeM के नियमों में छिपी है।

सामान ही नहीं, पेटेंट और तकनीक भी!

GeM के आधिकारिक नियमों में वस्तुओं की परिभाषा केवल मशीन, फर्नीचर या कंप्यूटर तक सीमित नहीं है। इसमें *सॉफ्टवेयर, लाइसेंस, पेटेंट और तकनीक हस्तांतरण* जैसे अमूर्त उत्पाद भी शामिल हैं।

यानी सरकारी खरीद में केवल वह वस्तु महत्वपूर्ण नहीं जिसे हाथ से छुआ जा सके, बल्कि वह तकनीक भी महत्वपूर्ण हो सकती है, जो किसी समस्या का समाधान करती हो।

₹8.18 लाख करोड़ का वह बाजार, जिसकी चर्चा कम होती है!

वाणिज्य मंत्रालय की वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 31 दिसंबर 2025 तक GeM पर सेवाओं की कुल खरीद ₹8.18 लाख करोड़, जबकि सामान की खरीद ₹8.70 लाख करोड़ पहुंच चुकी थी।

ध्यान रहे, सेवा-खरीद के इस बड़े आंकड़े में सभी प्रकार की सेवाएं शामिल हैं, केवल आधुनिक तकनीक नहीं।

लेकिन इसका संदेश स्पष्ट है—सरकारी बाजार अब सिर्फ सामान खरीदने तक सीमित नहीं रहा।

सरकार ने ड्रोन नहीं, उससे तैयार होने वाला नक्शा मांगा!

मार्च 2026 में राइट्स लिमिटेड ने GeM पर ड्रोन आधारित भू-सर्वेक्षण और डिजिटल मानचित्र तैयार करने की BID प्रकाशित की।

यहां सबसे रोचक बात समझिए—सरकारी आवश्यकता केवल ड्रोन मशीन की नहीं, बल्कि **उससे मिलने वाले सर्वेक्षण परिणाम** की थी।

इसी तरह जनवरी 2026 में दूरसंचार विभाग के एक संस्थान ने AI आधारित तकनीकी समाधान विकसित करने की BID जारी की।

मार्च में इंडियन बैंक ने रोबोटिक प्रक्रिया स्वचालन से जुड़ी प्रणाली के लिए भी निविदा निकाली।

यानी युवा उद्यमी केवल तकनीक बेचने के बजाय उससे मिलने वाली उपयोगी सेवा भी उपलब्ध करा सकता है।

Startup के ₹68,105 करोड़ के ऑर्डर—बदलाव का बड़ा संकेत

27 अक्टूबर 2026 को जारी सरकारी विवरण के अनुसार, GeM पर पंजीकृत Startup की संख्या 43,260 पहुंच चुकी थी। इन उद्यमों ने सरकारी खरीदारों के लिए 6.23 लाख ऑर्डर, जिनका कुल मूल्य **₹68,105 करोड़** था, पूरे किए।

ये आंकड़े सभी क्षेत्रों के Startup के हैं, केवल AI या ड्रोन कंपनियों के नहीं।

फिर भी यह नए उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण संकेत है कि सरकारी बाजार में स्थापित कंपनियों के साथ नए कारोबार भी अपनी जगह बना रहे हैं।

ड्रोन और space-tech के लिए GeM की विशेष पहल

एक और कम-जानी बात—अप्रैल 2025 में GeM ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने वाले राष्ट्रीय केंद्र और ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया के साथ अलग-अलग समझौते किए।

इनका उद्देश्य स्वदेशी अंतरिक्ष तथा ड्रोन आधारित उत्पादों और सेवाओं की सरकारी खरीद में पहुंच बढ़ाना था।

यानी आधुनिक तकनीक को सरकारी बाजार से जोड़ने के लिए संस्थागत स्तर पर भी प्रयास हो रहे हैं।

नई तकनीक है, लेकिन उसकी श्रेणी उपलब्ध नहीं?

यहीं GeM का **Startup रनवे** उपयोगी हो सकता है। सरकार की जून 2026 की मार्गदर्शिका के अनुसार पात्र Startup अपने अभिनव उत्पाद और सेवाएं सरकारी खरीदारों के सामने प्रस्तुत कर सकते हैं।

कुछ परिस्थितियों में ऐसी तकनीक की सूची बनाने का अवसर भी है, जिसकी सामान्य श्रेणी अभी उपलब्ध नहीं है।

हालांकि इसका मतलब ऑर्डर की गारंटी नहीं है। तकनीकी परीक्षण, गुणवत्ता, आवश्यक अनुमतियां, डेटा सुरक्षा और BID की पात्रता पूरी करना जरूरी है।

युवा भारत के लिए सबसे बड़ी सीख

पहले सरकारी कारोबार में सवाल होता था—**"आप कौन-सा सामान बेच सकते हैं?"**

आज एक नया सवाल भी महत्वपूर्ण है—"आपकी AI तकनीक कितना समय बचा सकती है? आपका ड्रोन कितनी सटीक जानकारी दे सकता है? आपका रोबोट कितना सुरक्षित काम कर सकता है?"

क्योंकि सरकारी बाजार में अब अवसर केवल नई तकनीक बनाने वालों के लिए नहीं, बल्कि उस तकनीक से वास्तविक समस्याओं का विश्वसनीय समाधान देने वालों के लिए भी हैं।

अगली कड़ी — भाग 9

दस साल में बदल गया सरकारी बाजार... अब किस क्षेत्र में छिपे हैं बड़े अवसर?

सामान से सेवाओं और आधुनिक तकनीक तक—आंकड़ों से जानेंगे GeM पर दस वर्षों में खरीद के रुझान कैसे बदले और युवा उद्यमियों के लिए किन क्षेत्रों में कितनी संभावनाएं हैं।

GeM Government e Marketplace | AI | Robotics | Drone | Space Tech

जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता बनाते त्योंथर के युवा विधायक सिद्धार्थ तिवारी 'राज'



● शिवम शुक्ला

भोपाल : विंध्य की राजनीति में तीन पीढ़ियों और लगभग 75 वर्षों की ऐतिहासिक विरासत का प्रतिनिधित्व करते हुए त्योंथर (रीवा) से भाजपा विधायक सिद्धार्थ तिवारी 'राज' विकास के नए मानक गढ़ रहे हैं।

मध्य प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्रीनिवास तिवारी (विंध्य के शेर) के पौत्र और पूर्व सांसद स्व. सुंदर लाल तिवारी के पुत्र सिद्धार्थ ने साल 2023 के विधानसभा चुनाव में 61,082 वोट प्राप्त कर शानदार जीत दर्ज की थी।

सूचना प्रौद्योगिकी की तकनीकी पृष्ठभूमि वाले इस युवा नेता ने चुनाव से पूर्व कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थामा था।

विधायक बनने के बाद से उनकी कार्यशैली का मुख्य केंद्र जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान और इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास है।

वे त्योंथर विधानसभा मुख्यालय में नियमित 'जनसुनवाई' का आयोजन कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आमजन को अपनी समस्याओं के लिए बेवजह सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें।

विधायक तिवारी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हैं कि प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता और समयबद्धता के साथ निराकरण किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रधानमंत्री की लोक कल्याणकारी योजनाओं को पारदर्शिता व संवेदनशीलता के साथ धरातल पर उतारने की उनकी यह प्रतिबद्धता त्योंथर क्षेत्र में एक नई उम्मीद का संचार कर रही है।

विंध्य की राजनीति में जब भी कद्दावर नेतृत्व का जिक्र होता है, तो स्व. श्रीनिवास तिवारी (विंध्य के शेर) और पूर्व सांसद स्व. सुंदर लाल तिवारी का नाम पूरे सम्मान से लिया जाता है।

उसी ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित राजनीतिक विरासत को एक नई, आधुनिक और ऊर्जावान दिशा दे रहे हैं त्योंथर (रीवा) से भारतीय जनता पार्टी के युवा विधायक सिद्धार्थ तिवारी 'राज'।

'बेटा, भाई और ग्रामीण' - माटी से जुड़ाव की पहचान

राजनीतिक रसूख वाले परिवार से आने के बावजूद सिद्धार्थ तिवारी की पहचान बेहद जमीनी है। सोशल मीडिया पर उनके 1 लाख 6 हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं, जहां वे स्वयं को एक राजनेता से पहले "बेटा, भाई और ग्रामीण" तथा एक लोक सेवक के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

21 मार्च 1983 को जन्मे सिद्धार्थ का यह सहज और जनसुलभ स्वभाव ही उन्हें अपने क्षेत्र की जनता के बेहद करीब लाता है।

'जनसुनवाई' - त्योंथर में सुशासन का नया मॉडल

विधायक बनने के बाद सिद्धार्थ तिवारी ने त्योंथर में जनसेवा का एक उत्कृष्ट मॉडल स्थापित किया है। वे नियमित रूप से विधानसभा मुख्यालय में 'जनसुनवाई' का आयोजन करते हैं, जिसका एकमात्र उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का त्वरित और मौके पर ही समाधान करना है। उनकी स्पष्ट सोच है कि जनता को अपने छोटे-छोटे कामों के लिए बेवजह सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

हाल ही में आयोजित उनकी जनसुनवाई में एसडीएम, तहसीलदार, सीईओ और खाद्य विभाग सहित तमाम आला अधिकारी एक ही छत के नीचे मौजूद रहे, ताकि हर शिकायत का तत्काल निराकरण हो सके।

विधायक तिवारी का स्पष्ट निर्देश है कि प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता और समयबद्धता के साथ नियम-अनुसार निराकरण किया जाए।

उनका मानना है कि— "जनसेवा सर्वोच्च प्राथमिकता है और जनता की समस्याओं का समाधान जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन का प्रथम दायित्व है।"



तकनीकी विशेषज्ञता और ऐतिहासिक जनादेश

साल 2004 में आर.जी.पी.वी. भोपाल से इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में बी.ई. की डिग्री हासिल करने वाले सिद्धार्थ तिवारी राजनीति में एक आधुनिक दृष्टिकोण लेकर आए हैं।

2023 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होना उनके और विंध्य क्षेत्र के लिए एक बड़ा 'गेम चेंजर' साबित हुआ। त्योंथर (सीट संख्या 70) से भाजपा उम्मीदवार के तौर पर उन्होंने कड़े मुकाबले में 61,082 वोट हासिल कर कांग्रेस प्रत्याशी को 4,746 मतों से शिकस्त दी और अपनी नेतृत्व क्षमता का लोहा मनवाया।

विकास को धरातल पर उतारने की जिद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मूल मंत्र और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सुशासन और जनकल्याणकारी विजन को त्योंथर के हर घर तक पहुँचाने के लिए वे पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से उनकी आत्मीय भेंट भी इसी विकास-यात्रा को गति देने का एक अहम हिस्सा है, जहाँ उन्होंने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ से अभिवादन किया।

सिद्धार्थ तिवारी 'राज' केवल एक राजनीतिक विरासत के वारिस नहीं हैं, बल्कि वे अपनी प्रशासनिक सक्रियता, तकनीकी समझ और "अतिथि देवो भवः" के संस्कार के साथ त्योंथर के विकास की एक नई और स्वतंत्र इबारत लिख रहे हैं।

नितिन नबीन के 'मीडिया सारथी' बने आशीष: कुशल प्रबंधन और अटूट भरोसे से दो महीने में ही राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया कद

● शिवम शुक्ला

भोपाल: "अभी ज़िन्दगी के इम्तिहान और भी हैं, अभी तो ज़िन्दगी की असली उड़ान बाकी है। अभी तो नापी है सिर्फ मुट्ठी भर ज़मीन, अभी तो सारा आसमान बाकी है। सितारों के आगे जहाँ और भी हैं..."

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक आशीष ऊषा अग्रवाल पर ये पंक्तियाँ शब्दशः चरितार्थ होती हैं ।

भाजपा के संघनिष्ठ, संगठन निष्ठ और अखंड प्रचंड पुरुषार्थी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी. एल. संतोष की सहमति से पार्टी के ज्ञानवान व पराक्रमी युवा नेता आशीष ऊषा अग्रवाल के रूप में एक हीरक व्यक्तित्व की पहचान की है।

दो महीने में दो बड़ी पदोन्नति, नेतृत्व का अटूट भरोसा

शीर्ष नेतृत्व ने हीरे की परख करने वाले जौहरी की भाँति आशीष अग्रवाल के हुनर को पहचाना।





राष्ट्रीय संगठन में सर्वप्रथम 17 अगस्त 2026 को उन्हें मध्य प्रदेश भाजपा मीडिया प्रभारी के पद से पदोन्नत कर भाजपा का राष्ट्रीय मीडिया सह-संयोजक नियुक्त किया गया था। इसके ठीक एक माह बाद, 23 सितंबर 2026 को उनकी कार्यकुशलता को देखते हुए उन्हें पुनः पदोन्नत कर भाजपा राष्ट्रीय मीडिया विभाग का 'राष्ट्रीय मीडिया संयोजक' नियुक्त कर दिया गया।



विपक्ष के चक्रव्यूह को किया ध्वस्त, कुशल प्रबंधन का लोहा माना

आशीष ऊषा अग्रवाल ने इस महती जिम्मेदारी को महज दो माह में ही अपने कुशल मीडिया प्रबंधन द्वारा सफलतापूर्वक सार्थक कर दिखाया है।

राष्ट्रीय संयोजक के रूप में चंद दिनों के भीतर ही उन्होंने अखंड-प्रचंड कर्मयोग का परिचय दिया।

कांग्रेस और इंडी गठबंधन के तमाम दुष्प्रचारों व प्रयासों को उन्होंने केंद्रीय मंत्रियों एवं शीर्ष भाजपा नेताओं की ताबड़तोड़ प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। उनके कुशल निर्देशन में संपूर्ण देश में भाजपा की हजारों प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गईं, जिसने विपक्षी दलों के झूठे मायाजाल को जनता के सामने बेनकाब कर दिया।

मातृभक्ति और कार्यकर्ता भाव: व्यक्तित्व की असली पहचान

आशीष अग्रवाल की सबसे बड़ी विशेषता उनका शालीन व संस्कारी व्यक्तित्व है। वह अपने नाम के साथ अपनी पूज्य स्वर्गीय माँ ऊषा अग्रवाल का नाम जोड़ते हैं, जो आज के युवाओं के लिए बेहद प्रेरणादायक है।

शीर्ष पद पर होने के बावजूद वह स्वयं को हमेशा एक साधारण 'कार्यकर्ता' मानते हैं और पार्टी को माँ के समान पूजते हुए अपना सर्वस्व अर्पण करने के लिए तत्पर रहते हैं।

मध्य प्रदेश में भी हेमंत खण्डेलवाल ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराने के साथ-साथ मध्य प्रदेश में भी उनकी साख बेहद मजबूत है।

एमपी बीजेपी के कर्मयोगी व कुशल प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने आशीष अग्रवाल की संगठन निष्ठा, ज्ञानशीलता, उत्कृष्ट मीडिया प्रबंधन, नवाचार, तकनीकी दक्षता और मिलनसारिता जैसे गुणों को भांपते हुए उन्हें पुनः प्रदेश मीडिया विभाग के प्रभारी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

अल्पसमय में राष्ट्रीय फलक पर अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले आशीष ऊषा अग्रवाल का यह बढ़ता राजनीतिक कद बताता है कि संगठन के प्रति उनका समर्पण ही उनकी असली शक्ति है, और अभी तो सफलता का पूरा आसमान छूना बाकी है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक आशीष अग्रवाल जी को देश दर्पण संवाद परिवार जन्मदिन की बधाई प्रेषित करता है।

ग्वालियर के आशीष उषा अग्रवाल का भाजपा में सफर अचानक मिली किसी एक जिम्मेदारी की कहानी नहीं है। करीब 16 साल पहले उन्होंने पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका शुरू की थी। इससे पहले वे बैंकिंग सेक्टर में काम कर चुके हैं। वर्ष 2003 से 2010 तक उन्होंने आईसीआईसीआई बैंक और उसके समूह में विभिन्न पदों पर काम किया।

इसके बाद उनकी सक्रियता भाजपा संगठन की ओर बढ़ी और 2010 से वे ग्वालियर में पार्टी की गतिविधियों से जुड़ गए। लगातार संगठन के साथ काम करने के बाद 2017 में उन्हें भाजपा मध्यप्रदेश के मीडिया पैनल में जगह मिली।

इसके बाद 2021 में वे प्रदेश प्रवक्ता बने। करीब दो साल बाद, 29 अप्रैल 2023 को उन्हें मध्यप्रदेश भाजपा के मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी मिली।

प्रदेश में पार्टी के मीडिया से जुड़े कामकाज को संभालते हुए वे लगातार सक्रिय रहे। अब उनके संगठनात्मक सफर में एक और बड़ा पड़ाव आया है।

चुनावी दौर में मीडिया प्रबंधन का अनुभव:

प्रदेश मीडिया प्रभारी के तौर पर आशीष ऊषा अग्रवाल की भूमिका चुनावी दौर में भी महत्वपूर्ण रही है। 2023 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान BJP ने सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों के लिए मीडिया संयोजकों की नियुक्ति की थी।

उस समय प्रदेश मीडिया प्रभारी के तौर पर आशीष अग्रवाल ने विधानसभा स्तर पर मीडिया व्यवस्था से जुड़ी नियुक्तियों की जानकारी साझा की थी। चुनाव के दौरान पार्टी के मीडिया नेटवर्क को विधानसभा स्तर तक मजबूत करना और स्थानीय स्तर पर राजनीतिक संवाद को व्यवस्थित करना उनकी जिम्मेदारियों का हिस्सा रहा।

सामाजिक और सेवा गतिविधियों से भी जुड़ाव:

आशीष ऊषा अग्रवाल छात्र जीवन से ही धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं।

उन्होंने अपनी माता जी की स्मृति में मुरार मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार का कार्य करवाया। इसके अलावा वंचित वर्गों को वित्तीय सहयोग और संसाधन उपलब्ध कराने की पहल के साथ वह सामाजिक समरसता, धार्मिक आयोजनों और सेवा कार्यों में भी सक्रिय रहे हैं।

उनकी सामाजिक गतिविधियों का जुड़ाव खास तौर पर ग्वालियर से रहा है, जहां से उनका राजनीतिक और सामाजिक सफर आगे बढ़ा।

ग्वालियर के प्रतिष्ठित परिवार से आते हैं: आशीष ऊषा अग्रवाल ग्वालियर के प्रतिष्ठित HG Group परिवार से आते हैं।

छात्र जीवन से सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े रहने के बाद उन्होंने कॉरपोरेट क्षेत्र में काम किया और फिर BJP की संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई। इस तरह उनके सार्वजनिक जीवन में पेशेवर अनुभव के साथ सामाजिक और राजनीतिक जुड़ाव भी लगातार बना रहा।

BHOPAL FOR U
BFU
BHOPAL FOR U

क्रीऐटर कॉर्नर

हमारे इस हफ्ते के क्रीऐटर



इंस्टाग्राम पर शहर की धड़कन बन चुके लोकप्रिय पेज 'भोपाल फॉर यू' ने सफलता का एक नया मुकाम हासिल किया है। वर्ष 2020 में शुरू हुए इस डिजिटल सफर ने हाल ही में भोपाल के प्रतिष्ठित IFA इन्फ्लुएंसर अवार्ड्स में 'बेस्ट मीडिया पेज ऑफ द ईयर ' का शानदार खिताब अपने नाम किया है। वर्तमान में इस पेज से 1 लाख 80 हजार से अधिक फॉलोअर्स जुड़े हुए हैं और यह शहरवासियों के बीच सूचना और मनोरंजन का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

अपनी इस उपलब्धि पर पेज के संचालक सुमित ने अपने भाई शोभित, माता-पिता और निरंतर साथ देने वाले भोपाल के सभी नागरिकों व फॉलोअर्स का हृदय से आभार व्यक्त किया है। उनका कहना है कि यह अवार्ड जीतना 'नए भोपाल फॉर यू' की महज़ एक शुरुआत है। अब यह सफर रुकेगा नहीं, बल्कि गगन की ऊंचाइयों को छूने के हौसले के साथ और भी ऊंची उड़ान भरेगा। भोपाल का यह अपना सोशल मीडिया पेज भविष्य में नई बुलंदियों को छूने के लिए पूरी तरह तैयार है।

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की लगातार दूसरी विजय, चीन को पांच-दो से दी करारी शिकस्त



नई दिल्ली: भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में अपना अजेय अभियान जारी रखते हुए चीनी चुनौती को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। प्रतियोगिता के अपने दूसरे अत्यंत रोमांचक मुकाबले में भारत ने मजबूत चीनी टीम को ५-२ से पराजित किया। इस लगातार दूसरी जीत के साथ भारतीय टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। इससे पूर्व भारत ने अपने शुरुआती मैच में एकतरफा प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को १३-० के विशाल अंतर से रौंदा था। मैच के प्रारंभ से ही भारतीय अग्रिम पंक्ति ने आक्रामक रणनीति अपनाई और चीन के रक्षण को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया। टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और स्टार खिलाड़ी सुखजीत सिंह ने बेहतरीन मैदानी खेल तथा ड्रैग-फ्लिक का प्रदर्शन करते हुए दो-दो शानदार गोल दागे। मैच के अंतिम क्षणों में जुगराज सिंह ने एक और बेहतरीन मैदानी गोल कर चीन की वापसी के समस्त मार्ग बंद कर दिए और भारत की ५-२ से जीत सुनिश्चित की। खेल विश्लेषकों का मानना है कि यदि भारतीय टीम इसी लय में खेलती रही, तो इस बार चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब भारत आना निश्चित है।

रणजी ट्रॉफी में फिरकी का जादू: तनुष कोटियन ने एक पारी में झटके आठ विकेट, मुंबई की लगातार तीसरी जीत



नई दिल्ली: घरेलू क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित मंच 'रणजी ट्रॉफी' में मुंबई के युवा स्पिन गेंदबाज तनुष कोटियन ने अपनी घातक गेंदबाजी से इतिहास रच दिया है।

हरियाणा के विरुद्ध खेले गए रणजी मुकाबले में तनुष ने अपनी फिरकी का ऐसा जाल बुना कि विरोधी टीम के बल्लेबाज ताश के पत्तों की तरह बिखर गए।

तनुष ने मैच की दूसरी पारी में सटीक गेंदबाजी करते हुए मात्र ८१ रन देकर ८ महत्वपूर्ण विकेट चटकाए, जो उनके प्रथम श्रेणी करियर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। कोटियन की इस ऐतिहासिक गेंदबाजी की सहायता से मुंबई ने हरियाणा को परास्त कर मौजूदा रणजी सत्र में अपनी जीत की हैट्रिक (लगातार तीसरी जीत) पूरी कर ली है।

खेल के गलियारों में अब तनुष को भारतीय टेस्ट टीम में अनुभवी रविचंद्रन अश्विन के भविष्य के विकल्प के रूप में देखा जाने लगा है।

आईसीसी रैंकिंग:

रवींद्र जडेजा को लगा झटका, मार्को जानसेन बने नंबर-१ ऑलराउंडर

अंतरराष्ट्रीय मंच से भारतीय क्रिकेट के लिए एक निराश करने वाली खबर आई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा जारी की गई नवीनतम टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में भारत के स्टार खिलाड़ी रवींद्र जडेजा को बड़ा नुकसान हुआ है। लंबे समय से नंबर-१ के आसन पर काबिज जडेजा से शीर्ष का ताज छिन गया है। दक्षिण अफ्रीका के युवा ऑलराउंडर मार्को जानसेन ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर जडेजा को पछाड़कर आईसीसी टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त कर लिया है।

क्रिकेट के शोर में गुम न हो भारतीय बेटियों की यह दहाड़: रग्बी के 'ग्लोबल पावरहाउस' न्यूजीलैंड को 17-0 से चटाई धूल

● प्रकाश त्रिपाठी

देश दर्पण संवाद, इंदौर

क्रिकेट के जुनून वाले हमारे देश भारत से एक ऐसी खबर आई है, जिसने खेल जगत के पुराने समीकरणों को हिलाकर रख दिया है।

भारत और न्यूजीलैंड के खेल संबंधों के 100 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर, मंगलवार, 27 अक्टूबर को बिहार के अत्याधुनिक राजगीर खेल परिसर में अंडर-20 रग्बी इनविटेशनल सेवेंस सीरीज का रोमांचक समापन हुआ। इस टूर्नामेंट में भारत की अंडर-20 महिला रग्बी टीम ने खेल की दुनिया के सबसे बड़े पावरहाउस माने जाने वाले न्यूजीलैंड (माओरी इनविटेशनल टीम) को 17-0 से करारी शिकस्त देकर एक नया इतिहास रच दिया है।

रग्बी में न्यूजीलैंड का वही रुतबा है, जो क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया या फुटबॉल में ब्राजील का है। इस सीरीज के लिए भारत दौरे पर आई न्यूजीलैंड माओरी की पुरुष व महिला टीमों के 24 खिलाड़ियों ने भारतीय टीम के साथ कुल चार मुकाबले खेले और मैदान पर अपनी प्रसिद्ध पारंपरिक 'हाका' (Haka) की शानदार प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया।

हालांकि, इस टूर्नामेंट में भारतीय पुरुष टीम को मजबूत कीवी टीम के सामने हार का



सामना करना पड़ा, लेकिन हमारी महिला टीम ने अभेद्य दीवार बनकर न्यूजीलैंड को एक भी ट्राइ (Try) स्कोर नहीं करने दिया। 17-0 की यह क्लीन स्वीप साबित करती है कि अदम्य साहस और असली प्रतिभा किसी बड़े बजट की मोहताज नहीं होती।

बिहार को इस भव्य अंतरराष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी का अवसर मिला, जो इसलिए भी खास है क्योंकि राज्य की महिला व पुरुष टीमें रग्बी में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। इस गौरवशाली पल के गवाह कई विशिष्ट अतिथि बने।

खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए मैदान में न्यूजीलैंड के उच्चायुक्त विशेष रूप से मौजूद रहे। साथ ही, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार की खेल एवं उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह और रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

एक्सपोजर और सम्मान की दरकार

हमारे देश में क्रिकेट को अपार एक्सपोज़र और मीडिया कवरेज मिलता है, लेकिन इसकी चकाचौंध में रग्बी जैसे खेलों की ये स्वर्णिम उपलब्धियां गुम नहीं होनी चाहिए। बिना किसी मीडिया हाइप के मैदान पर इन बेटियों ने जो चमत्कार किया है, वह हर उस लड़की के लिए प्रेरणा है जो आसमान छूना चाहती है। अब यह हमारी, खेल प्रेमियों और मीडिया की जिम्मेदारी है कि हम इन चैंपियन बेटियों को भी वही प्यार और एक्सपोजर दें, जिसकी वे असली हकदार हैं।

मनोरंजनम्

'नखरेवाली' के रोमांस से 'अक्का' के एक्शन तक, सिनेमाघरों और OTT पर लगा फिल्मों का भारी मेला



मुंबई। अक्टूबर महीने का यह आखिरी शुक्रवार सिनेमा के दीवानों के लिए किसी बड़े त्योहार से कम नहीं है। भागदौड़ भरे इस सप्ताह के बाद, अगर आप भी इस वीकेंड अपनी भागदौड़ से दूर परिवार या दोस्तों के साथ एक बेहतरीन फिल्म का आनंद लेने की सोच रहे हैं, तो बॉक्स ऑफिस और डिजिटल मंचों (ओटीटी) पर मनोरंजन की एक बहुत लंबी कतार आपका इंतजार कर रही है। इस बार दर्शकों का दिल जीतने के लिए बॉलीवुड की सादगी, दक्षिण भारतीय सिनेमा (साउथ) का मारधाड़ से भरपूर एक्शन और हॉलीवुड का अनोखा रोमांच एक साथ पर्दे पर उतरने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इस हफ्ते बॉलीवुड बॉक्स ऑफिस पर कई दिलचस्प रंग देखने को मिल रहे हैं। जाने-माने निर्देशक आनंद एल. राय के सहयोग से बनी नई फिल्म 'नखरेवाली' आज सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है।

अंश दुग्गल और प्रगति श्रीवास्तव के मुख्य अभिनय से सजी यह एक बेहद तरोताजा रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है। अपनी हल्की-फुल्की कहानी और शानदार संगीत के चलते यह युवा दिलों को काफी पसंद आने वाली है।

इसके ठीक विपरीत, अगर आप कुछ गंभीर देखना चाहते हैं, तो नेशनल अवॉर्ड विजेता विनोद कापरी की फिल्म 'पायरे' (Pyre) भी रिलीज हो गई है। हिमालय की शांत वादियों में फिल्माई गई यह एक बेहद भावुक और दिल को गहराई तक छू लेने वाली कहानी है।

इसे हिंदी के साथ-साथ मलयालम भाषा में भी रिलीज किया जा रहा है। वहीं, राजनीतिक दांव-पेच और सच्ची घटनाओं से प्रेरित सिनेमा देखने वालों के लिए 'द कलकत्ता फाइल्स' भी सिनेमाघरों में एक दमदार पॉलिटिकल ड्रामा के रूप में मौजूद है।

दक्षिण भारतीय सिनेमा ने इस बार पारंपरिक सिनेमाघरों के साथ-साथ डिजिटल मंचों (नेटफ्लिक्स आदि) पर भी अपना भारी दमखम दिखाया है।

रिलीज हो रही 'अक्का' एक ऐसा क्राइम ड्रामा है, जिसका दर्शकों को लंबे समय से इंतजार था। इसमें साउथ की दिग्गज अभिनेत्री कीर्ति सुरेश और बॉलीवुड की दमदार अदाकारा राधिका आप्टे आमने-सामने हैं।

अस्सी के दशक की इस खूंखार गैंगवार कहानी में महिलाओं का वर्चस्व देखना बेहद रोमांचक होगा। इसके अलावा, मशहूर अभिनेता थलपति विजय के बेटे जेसन संजय के निर्देशन में बनी फिल्म 'सिग्मा' भी ओटीटी पर आ गई है।

संदीप किशन के मुख्य रोल वाली यह एक बेहतरीन चोरी और एक्शन से भरपूर ड्रामा है। अभिनेता फहद फाजिल की जादुई फिल्म 'डोंट ट्रबल द ट्रबल' उन लोगों के लिए शानदार विकल्प है, जो सिनेमा में कुछ अलग अनुभव तलाशते हैं।

वहीं, थियेटर्स में रिलीज हो रही तेलुगु फिल्म 'किलर' इंसानी जज्बातों और मशीनी दिमाग की जंग को विज्ञान के चश्मे से पर्दे पर लाएगी।

हॉलीवुड सिनेमा के दीवानों के लिए भी यह हफ्ता खास है। ऑस्कर विजेता ओलिविया कोलमैन की फिल्म 'विकर' एक अनोखी रोमांटिक फैंटेसी है।

इसके साथ ही मशहूर उपन्यास का आधुनिक रूप 'सेंस एंड सेंसिबिलिटी' भी रिलीज हो चुका है। कुल मिलाकर, यदि आप परिवार के साथ हंसना चाहते हैं तो 'नखरेवाली' चुनें, रोने और महसूस करने के लिए 'पायरे' देखें और रोंगटे खड़े करने वाले थ्रिल के लिए 'अक्का' इस वीकेंड की पहली पसंद होनी चाहिए।

थियेटर से OTT तक सजी शानदार फिल्मों की महफिल, इस वीकेंड दूसरों की रेटिंग्स भूलकर खुद महसूस करें सिनेमा का असली जादू

मुंबई। अक्टूबर महीने का यह आखिरी शुक्रवार सिनेमा प्रेमियों के लिए कहानियों का एक ऐसा शानदार खजाना लेकर आया है, जिसे दूसरों की नजर से नहीं, बल्कि खुद देखकर महसूस करने की जरूरत है।

अक्सर हम फिल्में देखने से पहले यह तलाशते हैं कि दूसरों ने उसे कितने 'स्टार' दिए हैं या उसकी समीक्षा कैसी है, लेकिन इस बार सिनेमाघरों और डिजिटल मंचों (ओटीटी) पर जो फिल्में रिलीज हुई हैं, वे मांग करती हैं कि दर्शक सीधे उनके पास जाएं।

इस वीकेंड मनोरंजन के इतने अलग-अलग रंग बिखरे हैं कि आपको आलोचकों की बातें सुनने के बजाय, खुद सिनेमा के इस असली जादू में डूबना चाहिए। एक बार जब आप इन कहानियों को खुद जिएंगे, तो आपको किसी और की समीक्षा की जरूरत नहीं पड़ेगी।

हिंदी सिनेमा इस हफ्ते आपको दो बिल्कुल अलग दुनिया की सैर कराने को तैयार है। एक तरफ सिनेमाघरों में निर्देशक आनंद एल. राय के सहयोग से बनी नई फिल्म 'नखरेवाली' रिलीज हुई है।

अंश दुग्गल और प्रगति श्रीवास्तव के मुख्य अभिनय से सजी यह फिल्म एक हल्की-फुल्की और ताजगी भरी प्रेम कहानी है। आज के युवाओं को यह नया रोमांस कितना गुदगुदाएगा, यह तो इसे देखकर ही महसूस किया जा सकता है।

वहीं दूसरी ओर, एक बहुत ही गहरी और दिल को छू लेने वाली फिल्म 'पायरे' (Pyre) भी पर्दे पर आ चुकी है। निर्देशक विनोद कापरी ने इसे हिमालय की सर्द वादियों में फिल्माया है, जो एक बुजुर्ग दंपत्ति के अकेलेपन और गहरे प्रेम की दास्तान है।

यह कहानी आपको भीतर तक कितना झकझोरती है, इसका असली अनुभव आप स्क्रीन के सामने बैठकर ही ले सकते हैं। इसके साथ ही, सच्ची घटनाओं से प्रेरित 'द कलकत्ता फाइल्स' भी एक दमदार राजनीतिक कहानी के रूप में आपका इंतजार कर रही है, जिसे देखकर आप इसके रोमांच को खुद समझ सकते हैं।

दक्षिण भारतीय (साउथ) सिनेमा ने इस बार घर बैठे दर्शकों के लिए नेटफ्लिक्स और अन्य डिजिटल मंचों पर कहानियों का तहलका मचा दिया है। अस्सी के दशक की खूंखार गैंगवार पर आधारित फिल्म 'अक्का' रिलीज हो चुकी है। इसमें दिग्गज अभिनेत्री कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे आमने-सामने हैं। इस हिंसक दुनिया में महिला वर्चस्व की यह कहानी आपको अपनी सीट से बांधने का दम रखती है।

इसके अलावा, मशहूर अभिनेता थलपति विजय के बेटे जेसन संजय के निर्देशन में बनी मारधाड़ वाली फिल्म 'सिग्मा' और फहद फाजिल की जादुई दुनिया वाली फिल्म 'डोंट ट्रबल द ट्रबल' भी आ चुकी है। विज्ञान और मशीनों के रोमांच से भरी तेलुगु फिल्म 'किलर' भी सिनेमाघरों में आपके जज्बातों को एक नया अनुभव देने आ गई है।

हॉलीवुड सिनेमा ने भी इस वीकेंड एक अलग रंग जमाया है। ऑस्कर विजेता ओलिविया कोलमैन की अनोखी रोमांटिक फिल्म 'विकर' और मशहूर पुराने उपन्यास पर आधारित 'सेंस एंड सेंसिबिलिटी' भी रिलीज हो चुकी हैं। कहानियों का यह पूरा मेला अब सज चुका है।

इस बार किसी और की राय या समीक्षा पढ़ने के बजाय, खुद थियेटर जाइए या अपनी टीवी स्क्रीन के सामने बैठिए, इन बेहतरीन कहानियों को पहले समझिए और फिर खुद तय कीजिए कि कौन सी फिल्म आपके दिल में हमेशा के लिए



महज 15 दिनों के भीतर राष्ट्रपति भवन पर यह दूसरा बड़ा हमला; पिछली बार गई थी 4 लोगों की जान, मध्य पूर्व में गहराया संकट



यमन/रियाद। मध्य पूर्व में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। हूती विद्रोहियों ने अपनी सैन्य आक्रामकता को तेज करते हुए यमन के राष्ट्रपति भवन को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागी हैं।

यह हमला सुरक्षा के लिहाज से बेहद गंभीर माना जा रहा है, क्योंकि ठीक 15 दिन पहले भी विद्रोहियों ने इसी जगह पर एक बड़ा हमला किया था, जिसमें 4 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

राजधानी में दहशत का माहौल लगातार हो रहे इन हमलों ने सत्ता के शीर्ष केंद्रों की सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। 15 दिन के भीतर हुए इस दूसरे बड़े हमले से राजधानी में भारी दहशत है।

ताज़ा मिसाइल हमले के तुरंत बाद सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया है। हूतियों के इस कदम से स्पष्ट है कि वे शांति बहाली के बजाय सीधे तौर पर सरकार के रणनीतिक और महत्वपूर्ण ठिकानों को नष्ट करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

सऊदी अरब पर भी बोला हमला

हूती विद्रोहियों की यह आक्रामकता केवल यमन की सीमाओं तक सीमित नहीं रही। यमन के राष्ट्रपति भवन पर मिसाइलें दागने के साथ ही, उन्होंने पड़ोसी देश सऊदी अरब पर भी ड्रोन से बड़ा हमला किया है।

सऊदी अरब के ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए इस हवाई हमले ने पूरे खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा दिया है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय की बढ़ी चिंता

एक ही समय में यमन और सऊदी अरब पर हुए इन दोहरे हमलों (मिसाइल और ड्रोन स्ट्राइक) ने स्पष्ट कर दिया है कि विद्रोही गुट अपनी सामरिक ताकत का प्रदर्शन कर रहे हैं।

इन घटनाओं के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र की चिंताएं बढ़ गई हैं। कूटनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि इन हमलों पर जल्द लगाम नहीं लगाई गई, तो यह पूरा क्षेत्र एक बड़े और लंबे युद्ध की चपेट में आ सकता है।

अमेरिका-यूक्रेन रक्षा समझौता: 19 हजार करोड़ की लागत से यूक्रेन को मिलेंगी 500 पैट्रियट मिसाइलें, यूरोप और कनाडा उठाएंगे खर्च



नई दिल्ली: रूसी हमलों का सामना कर रहे यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय समझौता तय हुआ है।

इसके तहत अमेरिका यूक्रेन को 500 आधुनिक पैट्रियट एयर डिफेंस मिसाइलें उपलब्ध कराएगा। इस डिफेंस डील की कुल अनुमानित लागत करीब 19,000 करोड़ रुपये है। खास बात यह है कि इस भारी-भरकम राशि का भुगतान यूक्रेन की सरकार नहीं करेगी, बल्कि यूरोपीय देश और कनाडा मिलकर इसका पूरा खर्च वहन करेंगे।

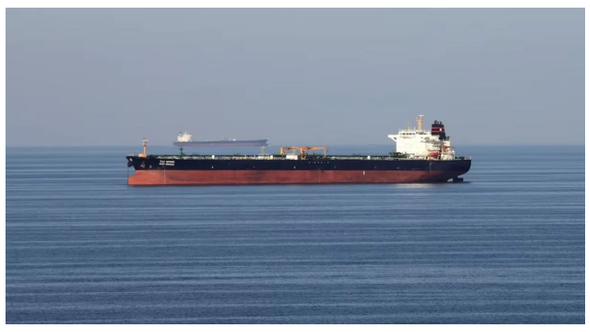
यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने पहले ही पश्चिमी देशों के सामने अपनी चिंता जाहिर करते हुए मांग की थी कि रूसी हवाई आक्रामक हमलों से निपटने के लिए यूक्रेन को हर महीने लगभग 100 पैट्रियट मिसाइलों की आवश्यकता है।

उनकी इसी मांग को संज्ञान में लेते हुए सहयोगी राष्ट्रों ने यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणाली को धार देने के लिए यह सहायता योजना तैयार की है।

पैट्रियट मिसाइल प्रणाली को वैश्विक स्तर पर सबसे अचूक और शक्तिशाली सुरक्षा कवच माना जाता है, जो दुश्मन के हवाई हमलों को नाकाम करने की ताकत रखता है।

रक्षा विश्लेषकों का मानना है कि इन मिसाइलों के मिलने से यूक्रेन का रक्षा तंत्र काफी मजबूत होगा और पश्चिमी देशों की यह पहल उनके आपसी सहयोग को और पुख्ता करती है।

ईरान की अमेरिका को दो टूक: 7 शर्तें माने बिना आगे नहीं बढ़ेगी बातचीत



तेहरान | देश दर्पण संवाद

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने की कोशिशों के बीच शांति वार्ता को लेकर फिलहाल कोई सहमति बनती नजर नहीं आ रही है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका के दबाव में ईरान तुरंत कोई फैसला नहीं लेगा। उन्होंने साफ कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत तभी आगे बढ़ सकती है, जब तेहरान की ओर से रखी गई सात शर्तों को स्वीकार किया जाएगा।

गालिबाफ ने अमेरिका की नीति को 'गाजर और डंडे वाला रवैया' करार देते हुए कहा कि इसका ईरान पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

गुरुवार को एक्स (X) पर अपनी प्रतिक्रिया में गालिबाफ ने कहा कि मध्यस्थों को कई बार स्पष्ट जानकारी दी जा चुकी है और अमेरिका की दबाव व रियायतों का एक साथ इस्तेमाल करने की रणनीति काम नहीं करेगी।

उनका यह कड़ा बयान उन खबरों के बीच आया है, जिनमें दावा किया गया था कि मध्यस्थों ने तेहरान को चेतावनी दी है कि अगर उसने परमाणु कार्यक्रम पर रियायतें नहीं दीं, तो अमेरिका दोबारा हवाई हमले कर सकता है।

वेंस ने भेजा पत्र, ईरान ने नहीं दिया जवाब

तनाव के बीच अमेरिका वार्ता दोबारा शुरू कराने की कोशिश कर रहा है। ईरानी समाचार एजेंसियों तस्नीम और फार्स ने गुरुवार को बताया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की ओर से ईरान को एक पत्र मिला है, जिसका तेहरान ने अब तक कोई जवाब नहीं दिया है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की बुधवार की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर जेडी वेंस ने यह पत्र ईरान के सुरक्षा प्रमुख मोहसेन रेजाई को भेजा था। इसका मुख्य मकसद बातचीत का रास्ता फिर से खोलना और संभावित अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को रोकना था।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस पत्र का उद्देश्य अंतिम शांति समझौते की शर्तें तय करने के बजाय बातचीत के लिए एक संभावित ढांचा तैयार करना था।

व्यापार:-व्यवसाय:

त्योहारों की सवारी: मारुति ने रचा बिक्री का नया कीर्तिमान



● मयंक आनंद

नई दिल्ली: रविवार को शेयर बाज़ार बंद था, पर ऑटो उद्योग की खबर ने छुट्टी का मज़ा नहीं लेने दिया। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुज़ुकी ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि अक्टूबर 2026 में उसकी कुल बिक्री 2,76,120 गाड़ियों की रही, जो उसका अब तक का सबसे ऊँचा मासिक आँकड़ा है और पिछले साल से 25 प्रतिशत ज़्यादा।

पिछले साल अक्टूबर में यह संख्या 2,20,894 थी।

आँकड़े को परत-दर-परत खोलें तो कहानी और दिलचस्प हो जाती है। घरेलू बिक्री 2,16,789 गाड़ियों के साथ रिकॉर्ड स्तर पर पहुँची, जो साल भर पहले की तुलना में 20 प्रतिशत की बढ़त है।

इसमें यात्री वाहनों की बिक्री 20.5 प्रतिशत बढ़कर 2,12,384 रही।

सबसे ज़्यादा चमक एसयूवी और यूटिलिटी वाहनों ने दिखाई। इनकी बिक्री 26 प्रतिशत उछलकर 97,787 गाड़ियों तक पहुँची, जबकि पिछले साल यह 77,571 थी।

छोटी, कॉम्पैक्ट और मध्यम आकार की कारें भी पीछे नहीं रहीं। उनकी बिक्री 18.4 प्रतिशत बढ़कर 1,00,877 हो गई।

पर असली चौंकाने वाला आँकड़ा देश के बाहर से आया। कंपनी का निर्यात 59.3 प्रतिशत की तेज़ छलांग के साथ 49,872 गाड़ियों तक पहुँचा, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 31,304 था। यानी विदेशी बाज़ारों में भारतीय कारों की माँग घरेलू माँग से भी तेज़ रफ़्तार से बढ़ी है।

सिर्फ़ एक महीने की बात नहीं है। अप्रैल से अक्टूबर के बीच कंपनी की कुल बिक्री 16,55,498 गाड़ियाँ रही, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 12,99,629 थी। सात महीनों में इतना बड़ा अंतर बताता है कि यह त्योहारी मौसम का तात्कालिक उछाल भर नहीं है।

फिर भी तस्वीर में एक छोटी-सी परछाईं है। एक रिपोर्ट के अनुसार निवेशकों की नज़र कंपनी के तिमाही मुनाफ़े में आई 27 प्रतिशत गिरावट पर भी है, जिसकी वजह कच्चे माल की बढ़ती कीमतें और मार्जिन पर दबाव बताई गई हैं।

मतलब गाड़ियाँ ज़्यादा बिक रही हैं, पर हर गाड़ी से कमाई का गणित कसा हुआ है। बिक्री के रिकॉर्ड और मुनाफ़े की सेहत, दोनों को साथ पढ़ना ज़रूरी है।

अब नज़र नवंबर पर रहेगी, जब दिवाली की खरीदारी के पूरे आँकड़े सामने आएँगे। तब तय होगा कि अक्टूबर की यह रौनक आगे भी कायम रहती है या नहीं।

चार साल की सबसे तेज़ छलांग: अक्टूबर में GST ने भरी सरकार की झोली



● कार्तिका गोठवाल

नई दिल्ली: रविवार की सुबह जब सरकार ने अक्टूबर के GST आँकड़े जारी किए, तो कई विश्लेषकों ने स्क्रीन पर दोबारा नज़र डाली। अक्टूबर 2026 में सकल GST संग्रह 2,31,290 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 1,88,125 करोड़ रुपये था। यानी 22.9 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी। यह चार साल से भी ज़्यादा समय में सबसे तेज़ वृद्धि है।

आम तौर पर GST के आँकड़े हर महीने की पहली तारीख़ को बिना शोर के आ जाते हैं। इस बार इनमें कुछ ऐसा था जिस पर रुककर बात करना ज़रूरी लगा।

पहले तस्वीर का बड़ा हिस्सा देख लें। इस रकम में केंद्रीय GST के 42,935 करोड़, राज्य GST के 51,340 करोड़ और एकीकृत GST के 1.37 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा शामिल हैं। रिफंड के बाद शुद्ध GST राजस्व 25.6 प्रतिशत बढ़कर 2,03,356 करोड़ रुपये हो गया।

शुद्ध आँकड़ा सकल से तेज़ बढ़ने की वजह साफ़ है। रिफंड की वृद्धि सकल राजस्व की तुलना में काफ़ी कम रही। अक्टूबर में 27,934 करोड़ रुपये के रिफंड दिए गए, जो साल भर पहले से 6.5 प्रतिशत ज़्यादा हैं। सरकार ने जितना कमाया, उसमें से लौटाया कम हिस्सा गया।

इस पूरी कहानी में सबसे चौंकाने वाला किरदार आयात है। आयात से जुड़ा IGST इस बार 72,246 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले अक्टूबर में यह 50,796 करोड़ रुपये था। यह 42.2 प्रतिशत की छलांग है। दूसरी तरफ़ घरेलू मोर्चा भी कमज़ोर नहीं रहा। सकल घरेलू GST राजस्व 15.8 प्रतिशत बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपये पहुँच गया।

मतलब यह कि बाज़ार के भीतर की खरीद-बिक्री भी बढ़ी और बंदरगाहों पर उतरने वाले माल की कीमत भी। फिर भी इस महीने की रफ़्तार का बड़ा श्रेय आयात को ही जाता है।

अब ज़रा पीछे चलिए। आँकड़ों की असली कीमत तभी समझ आती है जब उन्हें पिछले साल के पैमाने पर रखा जाए। सितंबर 2025 के आख़िर में सरकार ने GST की दरों में बड़ी कटौती की थी। 22 सितंबर से 375 वस्तुओं पर दरें घटाई गईं, जिनमें रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और गाड़ियाँ तक थीं। उसका असर अक्टूबर 2025 के संग्रह पर दिखा था।

उस महीने सकल संग्रह में सिर्फ़ 4.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो पिछले महीनों के औसत 9 प्रतिशत से कम थी। यानी इस साल की तुलना एक नरम आधार से हो रही है, और इतनी बड़ी उछाल में उसका योगदान भी है।

एक और बारीक बात आँकड़ों में छिपी है, जिस पर कम लोगों की नज़र जाती है। पिछले साल अक्टूबर के आँकड़े जब आए थे, तब सकल संग्रह लगभग 1.96 लाख करोड़ रुपये बताया गया था। इस बार तुलना 1.88 लाख करोड़ से की गई है।

फ़र्क़ की वजह क्या है? उस समय के घटक देखें तो केंद्रीय GST 36,547 करोड़, राज्य GST 45,134 करोड़ और IGST 1,06,443 करोड़ था, जबकि उपकर (सेस) 7,812 करोड़ अलग से जुड़ा था।

इन तीनों को जोड़ने पर लगभग 1.88 लाख करोड़ ही बैठता है। यह मेरा अपना हिसाब है, पर लगता यही है कि इस बार आधार को उपकर हटाकर बराबरी के ढाँचे पर लाया गया है। इसलिए पुरानी हेडलाइनों से मिलान करने वाले पाठक भ्रम में न पड़ें।

तो क्या यह अर्थव्यवस्था में किसी बड़े मोड़ का संकेत है? यहाँ ज़रा संयम से पढ़ना होगा। सितंबर में GST संग्रह 14.7 प्रतिशत बढ़ा था, और अक्टूबर की रफ़्तार उससे काफ़ी तेज़ है। इसके बावजूद अक्टूबर का संग्रह इस वित्त वर्ष का दूसरा सबसे बड़ा मासिक आँकड़ा है, अप्रैल के 2.43 लाख करोड़ रुपये के बाद।

किसी एक महीने की छलांग को पूरे साल की दिशा मान लेना जल्दबाज़ी होगी, ख़ासकर जब उसमें आयात की हिस्सेदारी इतनी बड़ी हो।

फिर भी बड़ी तस्वीर राहत देने वाली है। अप्रैल से अक्टूबर के बीच सकल GST संग्रह 14,77,569 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि से 13.2 प्रतिशत ज़्यादा है।

इसी दौरान शुद्ध राजस्व 12.6 प्रतिशत बढ़कर 12,69,486 करोड़ रुपये हुआ। राज्यों के लिए यह इसलिए अहम है कि GST की आमदनी का बड़ा हिस्सा उनकी तिजोरी तक भी पहुँचता है, और बजट की गणित इसी पर टिकी रहती है।

अब सबकी नज़र नवंबर के आँकड़ों पर रहेगी। त्योहारों के मौसम की खरीदारी का पूरा असर आम तौर पर अगले महीने के संग्रह में दिखता है, क्योंकि किसी महीने में जमा होने वाला टैक्स अमूमन पिछले महीने के लेन-देन से जुड़ा होता है।

अगर यही रफ़्तार दिसंबर तक कायम रही, तो बजट बनाने वाले हाथों को थोड़ी और खुली जगह मिल सकती है। और अगर नहीं रही, तो यह अक्टूबर एक असाधारण महीने के रूप में याद किया जाएगा, जब आयात और घरेलू माँग ने एक साथ ज़ोर लगाया।

कुसमी की बेटी आरती टांडिया ने आदिवासी लोककला को दिलाई राष्ट्रीय पहचान, प्रधानमंत्री मोदी ने की कलाकृति की सराहना

● रवि शुक्ला

सीधी : प्रतिभा जब मेहनत लगन और संस्कारों के साथ आगे बढ़ती है तो वह अपनी पहचान केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रखती,बल्कि समाज और संस्कृति के लिए भी प्रेरणा बन जाती है, ऐसी ही विलक्षण प्रतिभा की धनी हैं कुसमी अंचल की बेटी आरती टांडिया, जिन्होंने शिक्षा, साहित्य, सामाजिक सेवा और आदिवासी लोककला के क्षेत्र में अपनी बहुआयामी प्रतिभा का परिचय दिया है। उनकी कला अब केवल स्थानीय अंचल तक सीमित नहीं रही, बल्कि प्रदेश की सीमाएं लांघकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच चुकी है।

उनकी एक विशिष्ट कलाकृति देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट की गई, जिसकी उन्होंने सराहना की। यह उपलब्धि न केवल आरती के कला कौशल, बल्कि विंध्य की आदिवासी सांस्कृतिक विरासत के लिए भी गौरव का विषय बनी है।

आरती की कलाकृति को क्षेत्रीय विधायक कुंवर सिंह टेकाम के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तक पहुंचाया गया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी कलाकृति मंत्री राधा सिंह, सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक और धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम द्वारा दिल्ली में भेंट की गई।

प्रधानमंत्री ने कलाकृति की सराहना करते हुए इसे उनकी रचनात्मक क्षमता और क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। आरती ने बताया कि कला को विदेशों में भी सराहना की जा रही है यह हमारे और हमारे देश के लिए गर्व की बात है।

संस्कारों के सान्निध्य में निखरी प्रतिभा

आरती टांडिया के व्यक्तित्व की नींव शिक्षा और संस्कारों से समृद्ध पारिवारिक परिवेश में पड़ी। उनके पिता प्रेमलाल टांडिया और माता रामबाई टांडिया दोनों शिक्षक हैं।

परिवार में ज्ञान, अनुशासन और सामाजिक सरोकारों का वातावरण रहा, जिसने आरती की प्रतिभा को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पांच भाई-बहनों में दूसरे स्थान पर आने वाली आरती ने प्रारंभिक शिक्षा शंकरपुर भदौरा गांव के एक निजी विद्यालय से प्राप्त की।

इसके बाद कक्षा 10वीं और 12वीं की पढ़ाई शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कुसमी से पूरी की। उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रीवा का रुख किया, जहां से बीए तथा राजनीति विज्ञान विषय में एमए की उपाधि अर्जित की।

महाविद्यालयीन जीवन में उनकी प्रतिभा केवल पुस्तकीय अध्ययन तक सीमित नहीं रही। निबंध लेखन, रंगोली, नृत्य और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय सहभागिता रही।

इसी बहुआयामी व्यक्तित्व और प्रतिभा के लिए उन्हें स्नातकोत्तर स्तर पर 'मिस पीजी' के खिताब से सम्मानित किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. सुशीला साह के हाथों प्राप्त यह सम्मान उनके विद्यार्थी जीवन की उल्लेखनीय उपलब्धियों में शामिल रहा।

सेवा की भावना से जुड़ा युवा रेडक्रॉस का सफर

आरती ने विद्यार्थी जीवन से ही समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझा और सेवा के मार्ग को अपनी जीवनयात्रा का हिस्सा बनाया। महाविद्यालय की युवा रेडक्रॉस सोसायटी से जुड़कर उन्होंने विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता की।

इस दौरान प्राथमिक उपचार और आपातकालीन बचाव संबंधी प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। वर्ष 2013-14 में युवा रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से विश्व स्वास्थ्य संगठन से जुड़े विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया।

यह सम्मान उनके भीतर मौजूद संवेदनशीलता, सामाजिक चेतना और जनसेवा के भाव का परिचायक बना।

स्वर्ण जयंती समारोह के मंच से बढ़ा आत्मविश्वास

वर्ष 2014 में शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रीवा के स्वर्ण जयंती समारोह में आरती को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। इस गरिमामय आयोजन में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और तत्कालीन खनिज मंत्री राजेंद्र शुक्ल सहित प्रदेश के अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में सहभागिता ने उनके आत्मविश्वास को नई ऊंचाई प्रदान की।

स्नातकोत्तर शिक्षा के बाद उन्होंने रीवा से मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एमएसडब्ल्यू) की पढ़ाई पूरी की। इसके साथ ही अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा से बीएड की। शिक्षा और सामाजिक नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए उन्होंने जन अभियान परिषद के मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम में मेंटर अर्थात परामर्शदाता के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं।

परिवार में शिक्षा के साथ साथ कला की प्रतिभा

आरती टांडिया की उपलब्धियों के पीछे एक ऐसा परिवार भी है, जहां शिक्षा और प्रतिभा की परंपरा पीढ़ियों से समृद्ध होती दिखाई देती है।

उनकी बड़ी बहन अर्चना टांडिया जीव विज्ञान विषय की वर्ग-एक व्याख्याता हैं और सिंगरौली जिले के बरगवां क्षेत्र में सेवाएं दे रही हैं। उनकी छोटी बहन भी जीव विज्ञान विषय की वर्ग-एक व्याख्याता हैं।

एक अन्य बहन कल्पना टांडिया ने संगीत की शिक्षा प्राप्त की है और संगीत कला में विशेष रुचि रखती हैं।

भाई मारुत नंदन ने दो विषयों में यूजीसी नेट उत्तीर्ण किया है तथा सहायक प्राध्यापक बनने की तैयारी कर रहे हैं। परिवार की सबसे छोटी बहन रवीना टांडिया ने कक्षा 12वीं की परीक्षा में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में नौवां स्थान प्राप्त किया था।

इस उपलब्धि पर उन्हें तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। रवीना ने विधि की पढ़ाई पूरी करने के साथ लॉ विषय में भी नेट उत्तीर्ण किया है और आगे की तैयारी में जुटी हैं।

स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज से प्राप्त किया आशीर्वाद

आरती की कला यात्रा में आध्यात्मिक चेतना का भी विशेष स्थान है। उन्होंने अपनी एक विशिष्ट कलाकृति परम पूज्य श्री परमहंस परमानंद महाराज के शिष्य परम पूज्य श्री श्री 1008 स्वामी अड़गड़ानंद जी को भी भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

ग्रामीण प्रतिभा से राष्ट्रीय पहचान तक का प्रेरक सफर

आरती टांडिया की जीवनयात्रा इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा को यदि शिक्षा, अवसर और प्रोत्साहन का साथ मिले तो ग्रामीण अंचलों की बेटियां भी अपनी सृजनशीलता से व्यापक पहचान स्थापित कर सकती हैं।

उन्होंने अपनी शैक्षणिक योग्यता के साथ सामाजिक सरोकारों और आदिवासी लोककला को भी अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाया है।

आज उनकी कलाकृतियां केवल कपड़े पर उकेरी गई आकृतियां नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक विरासत की झलक दिख रही हैं, जिसमें आदिवासी समाज का जीवन, प्रकृति से जुड़ाव और परंपराओं की जीवंत छवियां समाहित हैं।

कुसमी की मिट्टी से निकलकर प्रधानमंत्री तक पहुंची उनकी कला की यह यात्रा क्षेत्र की नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है।





प्रधानमंत्री मोदी तक पहुंची आरती की कला

आरती टांडिया की पहचान का सबसे विशिष्ट पक्ष उनकी चित्रकला और आदिवासी लोककला के प्रति गहरा अनुराग है।

उनके लिए लोककला महज रंगों और रेखाओं का संयोजन नहीं, बल्कि किसी समाज के इतिहास, परंपरा, जीवनशैली और सामूहिक स्मृतियों को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है।

वे समय-समय पर विद्यालयीन बच्चों को पारंपरिक कला और क्राफ्ट का प्रशिक्षण देकर उनकी रचनात्मक क्षमता को निखारने का प्रयास करती रही हैं। एक विद्यालयीन कार्यक्रम के दौरान बच्चों की कला गतिविधियों में उनकी प्रतिभा क्षेत्रीय विधायक कुंवर सिंह टेकाम के संज्ञान में आई।

उनकी कला से प्रभावित होकर विधायक ने उन्हें इस दिशा में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

इसके बाद आरती ने कपड़े पर आदिवासी लोककला से प्रेरित एक आकर्षक कलाकृति तैयार की और उसे विधायक को भेंट किया। इस कलाकृति में उकेरी गई सांस्कृतिक छवियों और पारंपरिक कलात्मक अभिव्यक्ति ने जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित किया।

विधायक कुंवर सिंह टेकाम के माध्यम से यह कलाकृति मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भेंट की गई।

इसके बाद उनकी कला को राष्ट्रीय पटल पर प्रतिष्ठा दिलाने का अवसर तब मिला, जब उनकी एक अन्य कलाकृति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिल्ली में भेंट की गई।

मंत्री राधा सिंह, सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक और धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने संयुक्त रूप से यह कलाकृति प्रधानमंत्री को भेंट की।

प्रधानमंत्री द्वारा की गई सराहना ने आरती के कला-साधना के सफर को एक नई पहचान प्रदान की।

विविध संवादः

AI आपकी नौकरी नहीं, काम करने का पुराना तरीका बदल रहा है!



अंशुल अग्रवाल
संस्थापक, द वेबफिक्स
आईटी एवं डिजिटल टेक्नोलॉजी प्रोफेशनल

तकनीक से डरने के बजाय उसे समझना और अपने कौशल को विकसित करना आज के युवाओं की सबसे बड़ी जरूरत है।

आज आईटी क्षेत्र में कदम रखने वाले अधिकांश युवाओं के मन में एक सवाल है—क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) हमारी नौकरी छीन लेगा?

असल चुनौती AI का आना नहीं, बल्कि बदलती तकनीक के साथ खुद को तैयार न करना है।

कुछ वर्ष पहले तक एक सामान्य वेबसाइट बनाने या सॉफ्टवेयर का कोड लिखने में घंटों लगते थे। आज AI की सहायता से वही काम काफी कम समय में किया जा सकता है।

लेकिन सवाल यह है कि क्या AI द्वारा लिखा गया हर कोड सही, सुरक्षित और उपयोगी होता है? बिल्कुल नहीं। उसे समझने, जांचने और वास्तविक समस्या के अनुसार लागू करने के लिए आज भी तकनीकी ज्ञान आवश्यक है।

वर्तमान समय में नए आईटी प्रोफेशनल्स के सामने तीन बड़ी चुनौतियां हैं—लगातार बदलती तकनीक, बढ़ती प्रतिस्पर्धा और AI पर अत्यधिक निर्भरता।

अक्सर युवा जल्दी परिणाम पाने के लिए AI से पूरा कोड लिखवा लेते हैं, लेकिन जब उसमें कोई समस्या आती है, तो उसका समाधान नहीं खोज पाते। यही आदत भविष्य में उनके करियर की सबसे बड़ी बाधा बन सकती है।

इसलिए आईटी क्षेत्र में आने वाले युवाओं को मेरी सलाह है कि प्रोग्रामिंग की बुनियाद मजबूत करें, समस्या का समाधान खोजना सीखें, वास्तविक प्रोजेक्ट्स पर काम करें और AI को अपना सहायक बनाएं, विकल्प नहीं।

याद रखिए, भविष्य केवल उन लोगों का नहीं होगा जो AI चलाना जानते हैं, बल्कि उनका होगा जो AI के परिणामों को समझकर बेहतर निर्णय लेना जानते हैं।

तकनीक बदलती रहेगी, लेकिन सीखने की क्षमता ही आपकी सबसे बड़ी ताकत रहेगी।

फिल्म-फ्रेंडली मध्य प्रदेश बना बॉलीवुड की पहली पसंद: मालवा की शान इंदौर में चल रही रजनीश दुग्गल और ईशा तलवार की नई वेब सीरीज की शूटिंग



● प्रकाश त्रिपाठी

इंदौर। मध्य प्रदेश अपने शांत माहौल, शानदार प्राकृतिक छटा और बेहतरीन लोकेशंस के चलते अब निर्माताओं की पहली पसंद बन चुका है। राज्य सरकार की 'फिल्म फ्रेंडली' नीतियों के कारण मध्य प्रदेश में इन दिनों अक्सर बड़े प्रोजेक्ट्स की शूटिंग हो रही है। यही वजह है कि मालवा की शान कहे जाने वाले इंदौर शहर को एक बार फिर एक बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज की शूटिंग के लिए चुना गया है।

इन दिनों इंदौर की विभिन्न खूबसूरत और प्रमुख लोकेशंस पर इस वेब सीरीज की शूटिंग जोरों पर चल रही है। इसके लिए जाने-माने अभिनेता रजनीश दुग्गल शहर में मौजूद हैं। इस सीरीज का निर्देशन जेम्स ए. कर रहे हैं, जो इंदौर की अलग-अलग जगहों की खूबसूरती और मालवा के परिवेश को कैमरे में कैद कर रहे हैं।

यह अपकमिंग वेब सीरीज देश के चर्चित एजुकेशन प्लेटफॉर्म 'फिजिक्स वाला' (Physics Wallah) के लोकप्रिय ऑर्गेनिक केमिस्ट्री शिक्षक पंकज सिजारिया के जीवन पर आधारित एक शानदार बायोपिक है। इस प्रोजेक्ट में रजनीश दुग्गल मुख्य भूमिका में पंकज सिजारिया का दमदार किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। इस वेब सीरीज में रजनीश दुग्गल के अलावा मशहूर अभिनेत्री ईशा तलवार भी दिखाई देंगी।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस वेब सीरीज में इंदौर के ही रहने वाले जाने-माने फिल्म अभिनेता कपिल खादीवाला भी एक अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। अपने ही शहर के कपिल खादीवाला की इस प्रोजेक्ट में मौजूदगी ने स्थानीय प्रशंसकों और सिने-प्रेमियों की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है।

अलख पांडे द्वारा स्थापित 'फिजिक्स वाला' प्लेटफॉर्म पर पढ़ाने वाले पंकज सर छात्रों के बीच अपने अनूठे और मनोरंजक अंदाज के लिए खासे मशहूर हैं। क्लासरूम में उनका हास्य, वास्तविक जीवन से जुड़े सटीक उदाहरण और शायरी का बेहतरीन इस्तेमाल उन्हें छात्रों का चहेता बनाता है।

इस वेब सीरीज की सबसे रचनात्मक और खास बात यह है कि इसके लेखक और निर्देशक जेम्स ए. स्वयं पंकज सिजारिया के पूर्व छात्र रह चुके हैं। जेम्स इस पूरी कहानी को एक छात्र के नजरिए से वेब सीरीज के रूप में पेश कर रहे हैं, जिसने अपने गुरु के पढ़ाने के इस जादुई तरीके को बिल्कुल करीब से महसूस किया है।

मध्य प्रदेश में शूटिंग के अनुकूल और सुरक्षित माहौल के कारण मनोरंजन जगत का रुख लगातार राज्य की ओर हो रहा है, जिससे स्थानीय पर्यटन (MP Tourism) को भी जबरदस्त बढ़ावा मिल रहा है। शहर की इस हलचल और शूटिंग की हर छोटी-बड़ी अपडेट के लिए 'देश दर्पण संवाद' यूं ही आपको जमीनी हकीकत से रूबरू कराता रहेगा, क्योंकि हमारा अटल विश्वास है— "हम खबर नहीं, आईना दिखाते हैं।"

देश दर्पण संवाद | साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र | पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A6588 प्रकाशक : असीत पाठक, 25, गोयल ग्रीन कॉलोनी, निपानिया, पोस्ट ऑफिस–विजय नगर, इंदौर, मध्य प्रदेश–452010 की ओर से स्वामी असीत पाठक के द्वारा प्रकाशित। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
संपादक : असीत पाठक। मुद्रक : पूनम विश्वकर्मा, विश्वकर्मा प्रिंटिंग प्रेस, H. No. 51/1, Village–Padri, Post Office–Gondwali, Block & Tehsil–Waidhan, Singrauli, Madhya Pradesh–486892 से मुद्रित। प्रकाशन स्थल : इंदौर, मध्य प्रदेश।